हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस
वर्ष : 12 अंक : 125 देहरादून, मंगलवार, 07 नवंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

उद्यमिता विकास का मंथन 2023 द्वारका नई दिल्ली में उत्तरायणी द्वारा सम्पन्न 3

मुंबई में भव्य रोड शो में 30200 करोड़ रुपए के एमओयू

सभी रोड शो से अब तक 1.24 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार तथा राज्य में निवेश हेतु उत्साहित विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग समूहों के मध्य मुंबई रोड शो में 30200 करोड़ के MoU किए गए हैं। जिन बड़ी कंपनियों से एमओयू किए गए उनमें से कुछ प्रमुख है, इमेजिका (थीम पार्क) आत्मन्तनः(रिजॉर्ट), एसीएमई (सौर सेल विनिर्माण), CTRLs (डेटा सेंटर) पर्फ़ेटी(नवीकरणीय ऊर्जा), लॉसंग अमेरिका (आईटी), क्रोमा एटोर, क्लीन मैक्स एनवाइरो (नवीकरणीय ऊर्जा), साइनस (हेल्थ केयर) इसके साथ ही कुछ अन्य महत्वपूर्ण फर्मों से बातचीत हुई जिनमें जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, गोदरेज केमिकल्स,एस्टार भोजन,वी अर्जुन लॉजिस्टिक्स पार्क प्रमुख हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अब तक देश से बाहर लंदन,बर्मिघम, अबुधाबी, दुबई में 4 इंटरनेशनल रोड शो हो चुके हैं जबकि देशभर में प्रदेश सरकार दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और मुंबई में रोड शो कर चुकी है। बीते 14 सितंबर और 4 अक्टूबर को धामी सरकार दिल्ली में ₹26575 करोड़, 26 और 27 सितंबर को ब्रिटेन में ₹12500 करोड़, 17 और 18 अक्टूबर को यूएई में ₹15475 करोड़ के निवेश का करार कर चुकी है। इसके अलावा 26 अक्टूबर को चेन्नई में ₹10150 करोड़, 28 अक्टूबर को बेंगलुरु में ₹4600 करोड़ और 1 नवंबर को अहमदाबाद में ₹24000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव का करार हुआ है। अब मुंबई रोड शो में 30200 करोड़ रुपए के एमओयू किए गए हैं। अब तक प्रदेश सरकार द्वारा जिन निवेशकों से इन्वेंस्टमेंट एमओयू साइन किए गए हैं उनमें प्रमुखतः टूरिज्म हास्पिटैलिटी सेक्टर, आयुष वेलनेस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, फार्मा सेक्टर, फूड प्रोसेसिंग, रियल एस्टेट-इंफ्रा, पंप्ड स्टोरेज सेक्टर, ग्रीन एंड रिन्यूएबल एनर्जी एवं ऑटोमोबाइल सेक्टर शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुंम्बई रोडशो में प्रतिभाग किया

आागामी 5 वर्षों में उत्तराखंड की जीएसडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य : सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुम्बई में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट हेतु आयोजित रोड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देश के प्रमुख उद्योग समूहों के साथ बैठक कर उत्तराखण्ड में निवेश की सम्भावनओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री धामी ने सभी निवेशकों को आगामी 8-9 दिसम्बर को आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्ट समिट हेतु आमत्रित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजाधानी ही नहीं बल्कि यह भारत के विकास की अनूठी कहानी का एक प्रमुख भाग है। जहां मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, वहीं उत्तराखंड देश की आध्यात्मिक राजधानी है, इसलिए इन दोनों के बीच परस्पर समन्वय एवं साझेदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, विशेषकर मुंबई और उत्तराखंड एक दूसरे के पूरक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए जहां आधुनिक तकनीक तथा प्रबंधकीय कौशल आवश्यक है, वहीं आध्यात्मिक शक्ति एवं शांति भी अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड ने अपनी जीएसडीपी को आगामी 5 वर्षों में दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, इस क्रम में सशक्त उत्तराखण्ड मिशन प्रारंभ किया है। 8-9 दिसंबर को आयोजित होने वाले उत्तराखण्ड ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट-2023 भी इसी मिशन का एक विशिष्ट भाग है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा तो रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सकेगी। उन्होंने कहा कि अब तक के रोड शो से लगभग एक लाख, 24 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, उससे यह सिद्ध होता है कि देश ही नहीं बल्कि विदेशों के उद्यमी भी उत्तराखंड में निवेश करने के लिए उत्साहित हैं।उन्होंने कहा के प्रदेश सरकार ने सरलीकरण, समाधान, निस्तारण और संतुष्टि के मूल सिद्धांत को अपनाकर राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, साथ ही प्रधानमंत्री ने 2015 में प्रभावी प्रशासन के लिए प्रो-एक्टिव गवर्नेस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन का जो सूत्र दिया था, सरकार उसी को आत्मसात करने का प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लाइसेंस आदि के अनुमोदनों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था में सुधार किया गया हैं तथा व्यवसाय की स्थापना और संचालन के लिये आवश्यक सभी स्वीकृतियों के लिए वन स्टॉप शॉप व्यवस्था भी शुरु की है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार उत्तराखंड में उद्योग समूहों को अपने उद्योग स्थापित करने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा मजबूत नीतिगत ढांचे में निवेशक हितैषी नीतियां बनाने के लिए कई नई नीतियां बनाई गई हैं, कई नीतियों को सरल बनाया गया है। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ0 एस.एस सन्धु, सचिव डॉ0 आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी समेत विभिन्न उद्योग समूहों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीएम धामी ने NSE के अधिकारियों को उत्तराखंड आने का दिया निमंत्रण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुंबई , 7 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, NSE पहुंच कर स्टॉक एक्सचेंज में संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर एनएसई, NSE की सांकेतिक बेल बजाकर अपनी उपस्थिति दर्ज की। मुख्यमंत्री धामी ने 8 और 9 दिसंबर 2023 को देहरादून में होने वाले उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के अधिकारियों को आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा उद्योगों के अनुकूल नीतियां बनाई गई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार के क्षेत्र युवाओं को अधिक से अधिक अवसर मिले, इस दिशा में कार्य किए जा रहे हैं।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी एवं सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा कि उत्तराखंड में एंटरप्रेन्योरशिप अपॉर्चुनिटी को बढ़ाने के एनएसई राज्य के युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए तैयार है। राज्य के दूर दराज के क्षेत्रों में भी राज्य सरकार के सहयोग से निशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस अवसर पर सचिव विनय शंकर पांडेय, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड में अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 07 नवंबर : एक तरफ दिल्ली एनसीआर में हवा जहरीली हो गई है तो वहीं उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में मौसम सुहाना बना हुआ है। बारिश-बर्फबारी के बाद यहां कई इलाकों में मौसम साफ है। पहाड़ों में कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। सुबह और शाम के वक्त लोग ठंड से राहत पाने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। आने वाले सप्ताह में पहाड़ से मैदानी क्षेत्रों तक मौसम शुष्क रहने और धूप खिली रहने की संभावना है।

पहाड़ों में कहीं- कहीं आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। पहाड़ी इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो आगामी 8 नवंबर तक प्रदेश भर में मौसम शुष्क बना रहेगा। प्रदेश में यमुनोत्री धाम और बदरीनाथ धाम के आसपास के इलाकों में बर्फबारी हुई। वहीं बीते दिन चमोली की नीती घाटी में भी सीजन की पहली बर्फबारी हुई। जिससे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। नीती घाटी में अब भी कई परिवार रह रहे हैं, उन्हें ठंड के चलते परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मलारी गांव में बीते दिन जबरदस्त बर्फबारी के बाद सर्दी का सितम देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आठ नवंबर के बाद उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है आने वाले दिनों मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश और बर्फबारी से मैदानी इलाकों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। ज्यादातर जगहों पर मौसम साफ है। आठ नवंबर तक मौसम ऐसा ही बने रहने की संभावना है।

ये है LBSNAA फैक्ट्री, जहाँ तैयार होते हैं अफसर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 नवंबर , संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी कर रहा हर उम्मीदवार LBSNAA से वाकिफ है. उनके लिए यह किसी जन्नत से कम नहीं है. LBSNAA का फुल फॉर्म लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration है. यह एकेडमी उत्तराखंड के मसूरी में स्थित है. सभी UPSC उम्मीदवार यहां तक पहुंचने का सपना देखते हैं. यूपीएससी परीक्षा UPSC Exam में सफल हो चुके उम्मीदवारों को यहीं पर ट्रेनिंग दी जाती है

तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी ने 15 अप्रैल, 1958 को सिविल सर्विस परीक्षा में सफल हुए सभी उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने के लिए मसूरी के चारलेविल एस्टेट में राष्ट्रीय एकेडमी स्थापित करने का फैसला किया था. उस समय इस एकेडमी का नाम नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (NAA) रखा गया था. 1972 में इसे बदलकर लाल बहादुर शास्त्री एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन कर दिया गया था. इसके बाद 1973 में इसमें 'नेशनल' शब्द जोड़ा गया था. तब से इसे 'लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' के तौर पर जाना जाता है.

कितनी है LBSNAA की फीस ?

मसूरी स्थित LBSNAA में ट्रेनी अधिकारियों को बेहद मामूली फीस भरनी पड़ती है. अगर एक व्यक्ति के रूप के लिए 350 रुपये महीने देने होते हैं. जबकि दो व्यक्ति के कमरे के लिए प्रति व्यक्ति 175 रुपये किराया है. इसमें पानी और इलेक्ट्रिसिटी जैसी सुविधाओं का खर्च शामिल होता है. इसके अलावा करीब 10 हजार रुपये मेस फीस देनी होती है.LBSNAA में ट्रेनी आईएएस-आईपीएस को हर महीने करीब 40 हजार रुपये स्टाइपेंड या सैलरी मिलती है. असल में सैलरी मिलती है 56000 रुपये महीने. लेकिन इसमें से मेस और हॉस्टल फीस सहित अन्य खर्च काटकर इनहैंड सैलरी करीब 40000 मिलती है.

LBSNAA में आईएएस अधिकारियों का ट्रेनिंग

फेज-1 : फेज-1 की ट्रेनिंग में 40-45 दिन का भारत दर्शन और 15 सप्ताह का एकेडमिक मॉड्यूल शामिल होता है.जिले पर ट्रेनिंग : इस दौरान ट्रेनी अधिकारियों को किसी जिले में भेजा जाता है यह करीब एक साल की होती है.फेज-2 : फेज-2 ट्रेनिंग छह सप्ताह/दो महीने की होती है. इस दौरान अब तक की ट्रेनिंग के दौरान सीखने के अनुभव एक दूसरे से शेयर करते हैं.

असिस्टेंट सेक्रेटरीशिप : इस दौरान सभी ट्रेनी आईएएस अधिकारी केंद्रीय सचिवालय में असिस्टेंट सेक्रेटरी के तौर पर काम करते हैं.

LBSNAA में ट्रेनी आईएएस अधिकारियों को सुविधाएं

LBSNAA Rules: LBSNAA में ट्रेनिंग करना आसान नहीं है. ट्रेनी ऑफिसर्स को यहां जिंदगी की बेसिक स्किल्स भी सिखाई जाती हैं. उन्हें आयुर्वेद के प्रिंसिपल के हिसाब से खाना बनाने तक की स्किल दी जाती है. इसके अलावा एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटीज के तौर पर उन्हें कैलिग्राफी, जूट बैग बनाने, साइन लैंग्वेज सीखने और स्मार्टफोन से फिल्म मेकिंग आदि का प्रशिक्षण भी दिया जाता है. वहां दी जाने वाली हर चीज पर एकेडमी का लोगो होता है. इसके साथ ही सभी ट्रेनी ऑफिसर्स को वहां लागू किए गए ड्रेस कोड व अन्य नियमों का कड़ाई से पालन करना होता है.

उत्तराखंड : टिहरी झील में 24 नवंबर से शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय एक्रो फेस्टिवल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी गढ़वाल 07 नवंबर : उत्तराखंड के पर्यटन मानचित्र में टिहरी झील सबसे तेजी से उभरता हुआ नया स्थल है। एडवेंचर टूरिज्म के शौकीनों के लिए यह स्थान हॉट फेवरेट साबित हो रहा है। यही वजह है कि डेस्टिनेशन उत्तराखंड के अंतर्गत राज्य की धामी सरकार द्वारा यहां नियमित रूप से विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब टिहरी झील में 24 से 28 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय टिहरी एक्रो फेस्टिवल 2023 का आयोजन होने जा रहा है।

टिहरी झील में आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय एक्रो फेस्टिवल इस दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा। नवंबर में, राज्य टिहरी झील में पहली बार अंतरराष्ट्रीय एक्रो फेस्टिवल 2023 की मेजबानी करने जा रहा है। टिहरी एक्रो फेस्टिवल 2023, 24 नवंबर को शुरू होगा और 28 नवंबर को समाप्त होगा। इस रोमांचकारी इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए 35 अंतर्राष्ट्रीय पायलट और 100 भारतीय पायलट भाग लेंगे।

इस आयोजन में एक्रो फ्लाइंग, सिंक्रो फ्लाइंग, विंगसूट फ्लाइंग, डी-बैगिंग जैसे कई साहसिक कार्य देखने को मिलेंगे। आयोजन के दौरान यूफोरिया, पांडवास जैसे नामी बैंड भी शाम के समय अपनी प्रस्तुति देंगे। उत्तराखंड में साहसिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि डेस्टिनेशन उत्तराखंड को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार पूरी तन्मयता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को साहसिक पर्यटन के खेलों के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा नित नए आयोजन किये जा रहे हैं।

अब मोबाइल एप से बिजली बिल भुगतान करने पर मिलेगी 1.5 प्रतिशत की छूट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 07 नवंबर : उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) ने बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पहली बार उपभोक्ता स्वयं सेवा मोबाइल ऐप विकसित किया है। इस एप के माध्यम से बिजली बिल का भुगतान करने पर उपभोक्ताओं को 1.5 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

इसके साथ ही एक साल के बिल भुगतान की जानकारी प्राप्त सकते हैं। एप से नये कनेक्शन, विद्युत लोड बढ़ाने, चेक मीटर, स्वामित्व परिवर्तन के लिए आवेदन की सुविधा मिलेगी। प्रदेश में यूपीसीएल के अधीन लगभग 26 लाख बिजली उपभोक्ता हैं।

एप एंड्रॉयड और आईफोन दोनों पर काम करेगा

यूपीसीएल ने विद्युत सेवाओं में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के लिए मोबाइल ऐप विकसित किया है। यह ऐप एंड्रॉयड और आईफोन दोनों पर काम करेगा।खास बात यह है कि इस एप के जरिये

बिल जमा करने पर उपभोक्ताओं को यूपीसीएल 1.5 प्रतिशत की छूट देगा। साथ ही 24 घंटे बिल भुगतान की सुविधा होगी। बिल जमा कर रसीद भी मोबाइल पर उपलब्ध होगी। यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि विद्युत सेवाओं से संबंधित शिकायतों को भी मोबाइल एप दर्ज करने की सुविधा रहेगी। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

पिथौरागढ़ जिले के लिए खुशखबरी, जल्द शुरू होगी हवाई सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 07 नवंबर : उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। पिथौरागढ़ जिला जल्द ही हवाई सेवा से जुड़ने जा रहा है। सीएम धामी ने इस बात के संकेत दे दिए हैं।

सीएम धामी ने कहा कि उड़ान योजना के तहत पिथौरागढ़ के लिए हवाई सेवा की प्रक्रिया तेज हो गई है।इसके लिए एक एयरलाइंस से अनुबंध होने जा रहा है और लाइसेंस की प्रक्रिया पर काम चल रहा है। सीएम धामी ने बीते दिन पिथौरागढ़ विधायक मूख महर से बात करते हुए बताया कि पिथौरागढ़ के लिए हवाई सेवा की योजना पर गंभीरता से काम हो रहा है। लाइसेंस की प्रक्रिया अपने आखिरी चरण में है। राज्य सरकार लगातार इसकी समीक्षा कर रही है। माना जा सकता है कि पिथौरागढ़ के लिए जल्द ही हवाई सेवा शुरू होगी।

गुवाहाटी में असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारियों के साथ मंत्री गणेश जोशी ने की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गुवाहाटी असम 07 नवंबर : प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने असम दौरे के दौरान आज गुवाहाटी में असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज बरुआ व मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेज प्रसाद भुसाल एवं अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने असम की कृषि और मंडियों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली तथा कृषि दोनों राज्यों में कृषि विपणन बनियादी ढांचे के आदान-प्रदान हेतु महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

बैठक में असम एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष ने मंत्री गणेश जोशी को अवगत कराया कि प्रदेश में लगभग 23 मड़ियां है। इस वक्त असम बोर्ड में 700 कर्मचारी हैं जिसमें 42 बोर्ड के सदस्य हैं और अन्य मंडियों में कार्यरत हैं। जिनके माध्यम से मंडियों का सुचारू रूप से संचालन हो रहा है। इस दौरान अधिकारियों ने मंत्री गणेश जोशी को असम में कृषि के क्षेत्र में उर्वरक क्षमताओं, मार्केटिंग, उत्पादन, फसल कटाई के उपरान्त प्रबन्धन, प्रसंस्करण और विपणन आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बोर्ड के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया कि असम का ड्राइंग गिरी जिला गोलपाड़ा केला का बहुत बड़ा उत्पादक है और असम राज्य में केले के सबसे अधिक उत्पादकों में से एक गोलपाड़ा केले भारत के अन्य हिस्सों में भी जाता है।

बैठक में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने उत्तराखंड के सेब को असम तक पहुंच बढ़ाने हेतु सकारात्मक चर्चा की गई। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा उत्तराखंड के जनपद उत्तरकाशी के सीमांत क्षेत्र हर्षिल का सेब कोलकाता तक पहुंचता है। मंत्री ने असम की मंडियों में उत्तराखंड का सेब के व्यापार बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने कहा कि यदि असम उत्तराखंड के साथ सेब का व्यापार करता हैं,तो इसके लिए उत्तराखंड सरकार उनका हर तरीके से सहयोग करने के लिए तैयार है। इस दौरान बैठक में बोर्ड के चेयरपर्सन ने कृषि मंत्री गणेश जोशी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत व अभिनंदन भी किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष कृषि विपणन बोर्ड असम मनोज बरुआ व मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेज प्रसाद भुसाल, मंडी समिति देहरादून से विजय थपलियाल, बोर्ड उप निदेशक पी.मुदिर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्यमिता विकास का मंथन 2023 द्वारका नई दिल्ली में उत्तरायणी द्वारा सम्पन्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

Himalayan Resources Enhancement Society द्वारा विगत 5 वर्षों से चलाए जा रहे Business Uttarayani कार्यक्रम का तीसरा राष्ट्रीय अधिवेशन मंथन 2023 रविवार 5 नवंबर 2023 को द्वारका सेक्टर 23 के रावत ग्रांड पार्टी लॉन में अत्यंत ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ ।

दिल्ली एनसीआर और उत्तराखंड की विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 150 स्थापित एवं युवा व्यवसाइयों के साथ कई उच्च अधिकारी व सामाजिक कार्यकर्ता भी सम्मिलित हुए । कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर स्मारिका विमोचन के साथ हुई

विशिष्ट अतिथि में अतिथियों में वरिष्ठ उद्यमी श्री सी बी टम्टा, दिल्ली टीचर यूनिवर्सिटी के उप कुलपति प्रोफेसर धनंजय जोशी जी, ONGC में GM HR श्री दुर्गा सिंह भंडारी, वरिष्ठ उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री के सी पांडे, दिल्ली हाईकोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता श्री संजय शर्मा दरमोड़ा, फरीदाबाद के वरिष्ठ उद्यमी श्री गोपाल उनियाल जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी देहरादून डॉ अलका पांडे, GMR Group में Advisor Corporate Relations श्री राजीव नैथानी, EPFO Additional Director श्री मोहम्मद क़मर, SEBI के पूर्व GM श्री सूर्यकांत शर्मा जी, आदि ने कार्यक्रम में अपने मार्गदर्शन से उपस्थित सभी को लाभांवित किया ।

Business Uttarayani के संयोजक नीरज बवाड़ी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा विगत 5 वर्षों की गतिविधियों से सबको अवगत कराया । ONGC में GM HR और Business Uttarayani के मार्गदर्शक श्री दुर्गा सिंह भंडारी जी ने सभी का स्वागत किया तथा आयोजन के लक्ष्यों पर प्रकाश डाला ।

पौड़ी चैलुसैंण से Nettle Tea पर काम कर रहे सुनील दत्त कोठारी ने वैद्य परंपरा के ज्ञान को नए रुप में रख उत्तराखंड की जड़ी बूटियों का महत्व बताया, देहरादून से खादी बोर्ड केयुवा उद्यमी विकास उनियाल ने उत्तराखंड के देवालयों में अर्पित फूलों से निर्मित धूप एवं अगरबत्ती के बारे में बताया, खादी बोर्ड की ही उद्यमी डा बीनू भदौरिया जी ने पशु आहार मैं गुणवत्ता के महत्व और संबंधित कार्य पर प्रकाश डाला, एडवोकेट महेश बिष्ट जी ने उद्यमियों के संगठित रहने की बात कही, देवेंद्र मेहता जी ने व्यवसाई समूहों में परस्पर संवाद और सहयोग का महत्व समझाया, श्री के सी पांडे जी ने चीड़ के पिरूल को सकारात्मक रूप से प्रयोग कर संसाधनों के संवर्धन पर अपनी बात संचार वीडियो के साथ रखी, नांगलोई के वरिष्ठ उद्यमी महेश बिष्ट जी ने उद्यमी समाज को संगठित कर नए आयाम स्थापित करने पर जोर डाल डाला

सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने अपने कार्य और संबंधित विषयों पर अपनी बात रखी, श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने एसोसिएशन फॉर म्युचुअल फंड के सौजन्य से भारत सरकार द्वारा चलाई जा रहे Financial Literacy Education प्रोग्राम पर विशेष बात रखी, डॉ अलका पांडे जी ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं पर प्रकाश डाला, श्रीमती कुसुम कंडवाल भट्ट ने बच्चों को अगवा करने के खिलाफ fastrack child rescue cell की अपनी मांग पर जोर दिया तथा श्री कुंदन सिंह बिष्ट ने Business Uttarayani से जुड़े अपने अनुभव अनुभव साझा किए कार्यक्रम अर्जुन में आयोजन में श्री डी एस मेहता, राकेश बिष्ट, शशि भूषण नेगी , त्रिलोक सिंह बिष्ट, रवि भंडारी, रविंद्र रावत, बिलाल हुसैन, दिगमोहन नेगी, डा. संजय अग्रवाल, सुधा मालकोटि, श्री जी एस रावत, शीतल बैंस तथा द्वारका के श्री जगदीश नेगी जी का विशेष सहयोग रहा ।आयोजन में नीरज बवाड़ी, तारा, भुवन हराड़ी, संजीव विग, पारिशा कुंवर, आदि ने मुख्य भूमिका निभाई तथा सहभोज के साथ कार्यक्रम समापन हुआ ।

मास्टर प्लान के कार्यों को मिशन मोड में तेजी से पूरा किया जाए

चमोली। पर्यटन विभाग में विशेष कार्यकारी अधिकारी भास्कर खुल्बे एवं पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने सोमवार को बद्रीनाथ धाम पहुंच कर मास्टर प्लान के तहत संचालित निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि मास्टर प्लान के कार्यो को मिशन मोड में तेजी से पूरा किया जाए। इस दौरान केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के ओएसडी सतीश बहुगुणा भी उनके साथ मौजूद थे।

विशेष कार्यकारी अधिकारी ने पुनर्निर्माण कार्यों की अच्छी प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कडकडाती ठंड के बावजूद जिस तेजी से निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है वह बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में अभी काम करने के लिए करीब दो माह का समय बाकी है। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में श्रमिकों की संख्या बढाते हुए तेजी से निर्माण कार्यों को पूरा करने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने शेष नेत्र व बद्रीश झील, अराइवल प्लाजा, अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा, रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, अस्पताल विस्तारीकरण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद विशेष कार्यकारी अधिकारी एवं पर्यटन सचिव ने भगवान बद्रीनाथ के दर्शन भी किए। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने निरीक्षण के दौरान बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत संचालित कार्यों की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कर्णप्रयाग में 62 करोड़ की योजनाओं का शिलान्या और लोकार्पण

चमोली। गढ़वाल सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने नगर मुख्यालय पर पीएमजीएसवाई की करीब 62 करोड़ की दस से अधिक योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इन योजनाओं से साढ़े पांच हजार से अधिक आबादी को लाभ मिलेगा। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार चार धाम यात्रा ही नहीं बल्कि पहाड़ के गांव-गांव तक सडक नेटवर्क को मजबूत कर रही है। सोमवार को हुए कार्यक्रम में गढ़वाल सांसद ने कहा कि ऑलवेदर रोड बनने से प्रदेश के चारों धाम में यात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। केदारनाथ पुनर्निर्माण के बाद बदरीनाथ धाम के मास्टर प्लान के बाद यहां श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। सांसद ने मानसखंड और केदारनाथ सर्किट के अलावा रोपवे और कर्णप्रयाग रेल लाइन के निर्माण को ऐतिहासिक करार दिया।

देश की पहली मुस्लिम छात्रा नज़मा ने PM मोदी पर पूरी की PhD

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 नवंबर , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस सीट से लोकसभा सदस्य हैं उस सीट की एक मुस्लिम छात्रा ने उनके ऊपर रिसर्च की है. पीएम मोदी पर करीब 8 साल तक शोध करने के बाद छात्रा ने अपनी रिपोर्ट पेश की है. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) के राजनीति विज्ञान विभाग की शोध छात्रा नजमा परवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर PhD पूरी कर ली है। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के गांव लमही में रहने वाली नजमा परवीन ने 2014 में 'नरेंद्र मोदी का राजनीतिक नेतृत्वः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर प्रफेसर संजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में शोध शुरू किया था। उन्होंने करीब नौ साल में अपना शोध पूरा किया।

प्रोफेसर्स का कहना है कि इसी के साथ नज़मा देश की पहली ऐसी मुस्लिम महिला बनी हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर रिसर्च किया है। नजमा परवीन ने का शोध पांच अध्यायों में है। पीएम मोदी को जब दुनिया में मुस्लिम विरोधी छवि के तौर पर प्रस्तुत किया जा रहा था, किसी मुस्लिम महिला का उन पर शोध करना बड़ी बात है। साथ ही यह मोदी के विरोधियों को करारा जवाब भी है।

'मोदी किसी धर्म-जाति नहीं'

नजमा का कहना है कि मुझे एक राजनेता को शोध अध्ययन के लिए चुनना था, इसलिए पीएम मोदी को चुना। इसको लेकर आलोचना या फिर किसी राजनीतिक पार्टी के निशाने पर आने से फर्क नहीं पड़ता है। किसी भी चीज को धर्म के चश्मे से नहीं देखना चाहिए।नजमा का कहना है कि पीएम मोदी के व्यक्तित्व को महत्व देना चाहिए। नरेंद्र मोदी किसी विशेष धर्म या जाति के नहीं, बल्कि पूरे देश के पीएम हैं। उन्होंने पूरे देश को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम किया है।

मैं घराट हूँ - पहाड़ की खत्म होती एक पहचान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

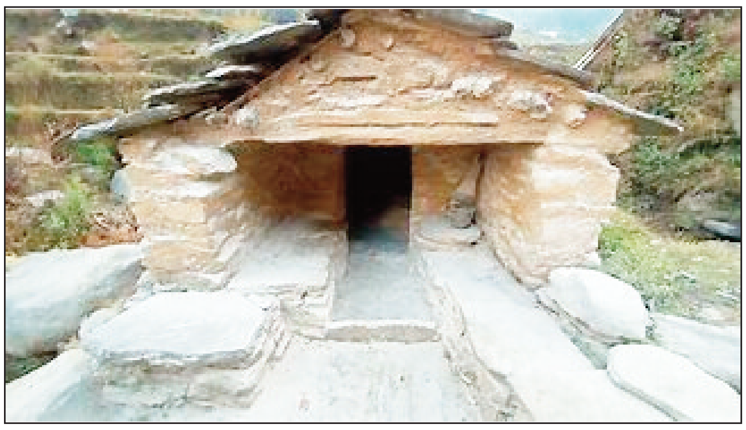

घनसाली एवं प्रताप नगर के एसडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी की कलम से

टिहरी गढ़वाल जिले में घनसाली एवं प्रताप नगर के उप जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी न सिर्फ एक बेहतरीन अफसर है बल्कि एक संवेदनशील लेखक भी है। जब , जहाँ , जिस पद पर जिम्मेदारी निभाना रहा हो उसको बखूबी अंजाम देने के साथ साथ पहाड़ , प्रकृति और परम्परा को कलम से उकेरने की कला भी इन्हे खूब आती है। इस बार उन्होंने पहाड़ की पहचान घराट के बारे में शानदार लेख लिखा है जो हम जस का तस आपके लिए शाइनिंग उत्तराखंड न्यूज़ पर पेश कर रहे हैं।

घराट को बचाने का प्रयास किए जाना ज़रूरी

आपने अक्सर पहाड़ी क्षेत्रों में बहती हुई नदियों व गाड गदेरों में पनचक्की या घराट देखे होंगे। यह पनचक्की या घराट पहाड़ी समाज की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का एक माध्यम होती थी। साथ ही यह उस दौर में प्राकृतिक संसाधनों एवं वैज्ञानिक सोच का एक शानदार मिश्रण एवं प्रयोग होते थे।पनचक्की या घराट को यदि आपने गौर से देखा हो तो पाएंगे कि डेढ मंजिल का मकान होता है । जिसमें भूतल वाला भाग कम ऊंचाई का जबकि प्रथम तल लगभग पूर्ण ऊंचाई का होता है । पहाड़ी क्षेत्र से बहती नदियां या गाड गधेरो से नहर निकालकर पानी को तीव्र ढाल के साथ गुजारा जाता है । पानी लकड़ी के बने हुए चार या पांच या छह कीलो से , जो गोल आकृति के एक मोटे डंडे से जुड़ी होती है, से टकराती है। जिस कारण वह घूमने लगता है I

प्रथम तल के फर्श में गोल आकृति का चक्का फर्श के साथ फिक्स होता है जबकि उसी आकार का चक्का ऊपर की तरफ भूतल से लगे हुए डंडे से जुड़ा रहता है जिस कारण ऊपरी चक्का घूमता है। ऊपर वाले चक्की में छेद होते हैं जिनमें अनाज को डाला जाता है और अनाज के दाने नीचे वाले चक्की के बीच फंस करके तथा पीसकर आटा निकालता है । उल्लेखनीय है कि यह एक व्यवहारिक परंपरा रही है । जिस भी व्यक्ति के स्वामित्व में यह घराट या पनचक्की होते है वह पिसाई के बदले पैसा नहीं लेता है बल्कि इच्छा अनुसार आटा लेता है। यह भी एक स्वस्थ सामाजिक परंपरा है कि यदि वहां पर घराट मालिक उपस्थित न हो तो कोई भी व्यक्ति स्वयं जाकर अपना अनाज पीस सकते है और मौके पर रखें बर्तन में पिसाई के बदले आटा स्वयं रख लेते है।

इस प्रकार एक सामाजिक व्यवस्था के साथ ही सभी की व्यक्तिगत आजीविका पूर्ति होती है। इसमें विज्ञान और प्रकृति भी समाहित होते है। गरीब एवं कमजोर वर्ग के लिए अपनी दैनिक आवश्यकता की पूर्ति के लिए अनाज पीसने के लिए इससे बेहतर चक्की नहीं हो सकती है। एक जमाना था कि पनचक्की या घराट जिस भी व्यक्ति के कब्जे या संचालन में होती थी उसका उस गांव व क्षेत्र में दबदबा होता था। लोग अपनी आजीविका के लिए उत्पादित गेहूं, मंडवा आदि को पीसने के लिए लाया करते थे और इसके बदले आटा देते थे जिसे वह व्यक्ति स्वयं के उपयोग में लाता था या जरूरतमंदों को बेच देता था।

वक्त बदला और पहाड़ों में विकास होने लगा । जिस कारण पहाड़ के हर गांव तक सड़क पहुंच गई। सड़क पहुंचने के साथ ही दैनिक जरूरत की पूर्ति के लिए दुकान एवं आटा चक्की भी गांव गांव में खुलने लगे। गांव गांव में आटा चक्की खुलने के कारण परंपरागत रूप से आटा पिसाई के यह केंद्र पनचक्की या घराट गांव से या तो दूर एवं अलग- थलग पड़ गए या फिर नदी के किनारे गहराई में पड़ गए जो नई पीढ़ी के लिए दुर्गम हो गए। इसी का परिणाम हुआ कि इनकी उपेक्षा होने लगी। जिन भी व्यक्तियों के पास इनका स्वामित्व था, वह स्वयं को उपेक्षित महसूस करने लगे। बुजुर्ग होने के कारण उनका इन पनचक्की या घराट से लगाव था।

इसलिए आज जितने भी पनचक्की या घराट चालू स्थिति में है उसमें काम करने वाले अधिकांश बुजुर्ग व्यक्ति हैं जो इस पीढ़ी और परंपरा के अंतिम संवाहक माने जा सकते हैं। नई पीढ़ी का इस तरफ बिल्कुल भी रुझान नहीं है। विडंबना है कि लुप्त हो रहे इन पनचक्की या घराट की अभी शुद् लेनी बाकी है। यदि ग्राम स्तर पर इन पनचक्की या घराट को पुनर्जीवित करने या संरक्षित करने का प्रयास किया जाए तो परंपरागत वैज्ञानिक प्रयोग की यह चक्की नई पीढ़ी के लिए रोजगार का बेहतरीन साधन बन सकती है । साथ ही पर्यटन का भी एक माध्यम बन सकती है। घराट एवं पनचक्की न केवल आटा पीसने का काम आ सकती हैं बल्कि इस से बिजली भी पैदा की जा सकती है।

दो घंटे भी अस्पताल में रहे तो मिलेगा हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 नवंबर , यदि पॉलिसी लेते समय समझदारी से काम लिया जाए तो दो घंटे भी अस्पताल में रहते हैं तो भी क्लेम मिल सकता है। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस लेने के पहले सारी शर्तों को सही से पढ़ लेना चाहिए। क्योंकि क्लेम सेटलमेंट से जुड़ी शर्तों में सबसे अहम शर्त होती है, 24 घंटे तक अस्पताल में भर्ती होने की कंडीशन। आमतौर पर ज्यादातर हेल्थ इंश्योरेंस में यह शर्त होती है। जबकि ऐसा जरूरी नहीं है कि किसी छोटी स्वास्थ्य समस्या के लिए पूरा एक दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़े।

कुछ बीमारियों या समस्याओं का इलाज 2 से 5 घंटे में भी हो जाता है। तब जरुरी नहीं है कि 24 घंटे अस्पताल में भर्ती रहने पर ही आपको क्लेम मिलेगा। जानकारों की मानें तो बाजार में अब ऐसे हेल्थ प्लान भी आ गए हैं जिनमें क्लेम हासिल करने के लिए 24 घंटे तक हॉस्पिटल में एडमिट रहने की बाध्यता नहीं है। अब आ रही कुछ हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों में 24 घंटे नहीं बल्कि 2 घंटे का हॉस्पिटेलाइजेशन टाइम भी मिल रहा है।

ऐसे में आप 2 घंटे तक अस्पताल में भर्ती रहने पर भी क्लेम कर सकते हैं इसलिए पॉलिसी खरीदने से पहले पॉलिसी शर्तों के बारे में अच्छे से पढ़ लेना चाहिए।पॉलिसी में डे केयर ट्रीटमेंट की सुविधा शामिल है। डे-केयर ट्रीटमेंट के लिए क्लेम फाइल करने की प्रोसेस रेगुलर क्लेम्स के समान है। आजकल ज्यादातर बीमा कंपनी डे-केयर ट्रीटमेंट के लिए कवरेज ऑफर करती हैं।

हालांकि, हर इंश्योरेंस कंपनी द्वारा कवर किए जाने वाले स्पेसिफिक ट्रीटमेंट और सर्जरी में अंतर होता है। खास बात है कि डे केयर ट्रीटमेंट की सुविधा कैशलेस क्लेम के साथ आती है। इस साल मार्च में एक कंज्यूमर फोरम ने मेडिकल इंश्योरेंस से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम करने के लिए जरूरी नहीं है कि किसी व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती किया गया हो या 24 घंटे के लिए एडमिट किया जाए। क्लेम लेने के लिए यह तथ्य ही काफी है।

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना होगा आसान, नए साल में बदलेंगे नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 07 नवंबर : इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (IRDAI) ने देश की सभी इंश्योरेंस कंपनियों को हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी जारी करने को लेकर एक नया सर्कुलर जारी किया है. इस सर्कुलर में देश की सभी इंश्योरेंस कंपनियों को यह दिशा-निर्देश जारी किया गया है कि 1 जनवरी 2024 के बाद वह जो भी हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी जारी करेंगे उसके साथ उन्हें पॉलिसी होल्डर को एक कस्टमर इनफॉरमेशन शीट भी मुहैया करानी होगी।

अगर साफ शब्दों में कहें तो अब हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को कस्टमर इनफॉरमेशन शीट में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी (Health Policy) से जुड़ी सारी महत्वपूर्ण जानकारी आसान शब्दों में पॉलिसी होल्डर को देनी होगी. उन्हें यह बताना होगा की पॉलिसी का कवरेज क्या है और इस पॉलिसी से उन्हें क्या-क्या फायदा हो सकता है. इसके साथ हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को यह भी बताना होगा कि अगर पॉलिसी होल्डर हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम करना चाहते हैं तो उसकी क्या प्रक्रिया है. अगर उन्हें कोई शिकायत है तो शिकायत के निवारण के लिए कंपनी ने क्या मापदंड तय किए हैं . इसमें कस्टमर इनफॉरमेशन शीट में शिकायत निवारण अधिकारी का नाम और उसे आसानी से संपर्क करने से जुड़ी जानकारी भी साझा करनी होगी।

पहली बार इंश्योरेंस रेगुलेटर ने इंश्योरेंस कंपनियों को यह निर्देश दिया है कि कोई भी पॉलिसी होल्डर अगर हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी खरीदने के बाद उसे कैंसिल करना चाहता है तो यह विकल्प भी उनके पास होगा. अब हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी (Insurance Policy) खरीदने के बाद एक सीमित तय समय तक इंश्योरेंस पॉलिसी होल्डर पॉलिसी को कैंसिल भी कर सकेगा,अगर उसे लगता है कि यह पॉलिसी उसके लिए उपयुक्त नहीं है.लेकिन यह सुविधा एक सीमित तय समय तक के लिए ही उपलब्ध होगी और यह सीमा इंश्योरेंस कंपनियां तय करेंगे।

इसके साथ ही, हर पॉलिसी होल्डर को हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी खरीदने के दौरान इंश्योरेंस कंपनियों को पारदर्शी तरीके से अपने स्वास्थ्य से जुड़ी सारी जानकारी मुहैया करानी होगी जिससे कि आगे इंश्योरेंस क्लेम में दिक्कत न आए.इंश्योरेंस रेगुलेटर के मुताबिक, इस नई पहल के पीछे सोच देश में इंश्योरेंस पॉलिसी को खरीदने और बेचने की जो मौजूदा प्रक्रिया है उसे और पारदर्शी और कारगर बनाने की है.

अयोध्या से लाए गए अक्षत कलश की हरकी पैड़ी पर हुई पूजा

हरिद्वार। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में पीले अक्षत का पूजन कर देश के सभी प्रांतों से आए प्रतिनिधियों के साथ उत्तराखण्ड राज्य को भी अक्षत कलश प्रदान किया गया। इस अक्षत कलश को हरकी पैड़ी पर सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं द्वारा पूजन अर्चन के लिए लाया गया। हरकी पैड़ी पर आरएसएस के सेवा प्रमुख पवन, सुदर्शन चक्र महाराज पीठाधीश्वर श्री कृष्ण कृपा शक्तिधाम, विहिप के प्रांतीय संगठन मंत्री अजय कुमार, प्रान्त उपाध्यक्षा संध्या कौशिक, प्रान्त उपाध्यक्ष दीवान सिंह फत्याल , प्रान्त उपाध्यक्ष प्रदीप मिश्र, प्रान्त मंत्री विहिप डा. विपिन चंद्र पाण्डेय, प्रान्त सह मंत्री रनदीप पोखरिया ने संयुक्त रूप से अयोध्या में पूजित अक्षत कलश का विधिवत पूजन अर्चन किया। इस अवसर पर अजय कुमार ने कहा कि पूजन के पश्चात अक्षत कलश सभी जिलों में जाएंगे, सभी जिलों के सभी प्रखंडों में भी इनके पूजन का कार्यक्रम होगा। पीले अक्षत घर-घर हर हिन्दू परिवार तक पहुंचाए जाएंगे। डा. विपिन चंद्र पाण्डेय ने कहा कि 22 जनवरी के शुभ दिन प्रभु श्रीराम के बाल रूप नूतन विग्रह को श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे नवीन मंदिर भूतल के गर्भगृह में विराजित करके प्राण-प्रतिष्ठा की जायेगी। अक्षत कलश पूजन कार्यक्रम में आरएसएस के जगदीप सिंह, बजरंग दल के प्रान्त संयोजक अनुज वालिया, विहिप के प्रान्त प्रवक्ता वीरेंद्र कीर्तिपाल कुसुम देवी, भावना, अमित कुमार, उमाकांत, नवीन तेश्वर, जीवेंद्र तोमर, भूपेंद्र सैनी, वत्सल पराशर, श्रवण चौहान, अमित मुल्तानिया के साथ नगर और ग्रामीण अंचल से पधारे श्रद्धालु आदि उपस्थित रहे।

सतीश ने राज्य स्तर पर जीते तीन स्वर्ण पदक

हरिद्वार। हरिद्वार के ग्राम रोहालकी किशनपुर निवासी सतीश चंद चौहान ने छठी उत्तराखंड मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। सतीश ने आयु वर्ग 65 प्लस में प्रतिभाग करते हुए 400 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ और 110 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। दो दिवसीय छठी उत्तराखंड मास्टर्स एथलेटिक्स रुद्रपुर ऊधमसिंह नगर के मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 13 जिलों के करीब 300 मास्टर्स खिलाड़ियों ने भाग लिया। सतीश ने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को आगामी 8 से 11 फरवरी 2024 तक हैदराबाद तेलंगाना में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिलेगा। सतीश को रोहालकी ग्राम प्रधान विकास चौहान, पृथ्वीराज चौहान डीग्री कॉलेज के अध्यक्ष दयानंद, एडवोकेट तरसेम सिंह और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी है।

दिवंगत विधायक अंसारी के परिवार से मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

रुडकी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने दिवंगत विधायक हाजी सरवत करीम अंसारी के कार्यालय पर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मंगलौर विधानसभा क्षेत्र से विधायक अंसारी का 30 अक्तूबर को दिल्ली के एक अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया था। सोमवार को महेंद्र भट्ट ने उनके परिजनों से मुलाकात की गई तथा अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट की गई। दिवंगत विधायक के बड़े पुत्र जुनैद अंसारी, उबैदुर रहमान अंसारी और आमिर अंसारी इस मौके पर मौजूद रहे।

डॉ. विजय को यंग साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड

हरिद्वार। देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में एसएमजेएन पीजी कॉलेज हरिद्वार के पर्यावरण विज्ञान के डॉ. विजय शर्मा को यंग साइंटिस्ट ऑफ द ईयर चुना गया। डॉ. विजय शर्मा को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों तथा उनके द्वारा गंगा पर किए गए शोध कार्यों में गुणवत्ता हेतु प्रदान किया गया। डॉ. विजय शर्मा को पूर्व में भी अनेकों प्रकार के सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। कालेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्रीमंहत रविन्द्र पुरी, कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा, डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, कॉलेज परिवार ने डॉ. विजय शर्मा को बधाई दी है।

शिक्षकों ने लोकसभा चुनाव में मतदान न करने की प्रतिज्ञा ली

हरिद्वार। जिले के 103 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक सोमवार को एक घंटे कार्य बहिष्कार पर रहे। इस दौरान राजकीय शिक्षक संघ की हरिद्वार शाखा से जुड़े 825 शिक्षकों ने स्कूलों में लोकसभा चुनाव के बहिष्कार की घोषणा करते हुए मतदान न करने की प्रतिज्ञा ली। मंगलवार से सभी शिक्षक माध्यमिक स्कूलों में सिर्फ शिक्षण कार्य करेंगे। डाक बनाने और भेजने आदि कार्य का शिक्षक मंगलवार से बहिष्कार कर देंगे। शिक्षक अपनी 35 सूत्रीय मांग पूरी करने पर अड़े हैं। सोमवार को जिले के सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक दोपहर 12 बजे से एक बजे तक कक्षाओं में पढ़ाई स्थगित कर कार्य बहिष्कार पर रहे। हरिद्वार शाखा के जिला महामंत्री रविंद्र रोड़ ने बताया कि सोमवार को सभी माध्यमिक स्कूलों में शिक्षक और शिक्षिकाओं ने एक घंटा कार्य बहिष्कार कर अपना विरोध दर्ज कराया। साथ ही लोकसभा चुनाव में मतदान न करने की प्रतिज्ञा शिक्षकों ने ली है। चुनाव में शिक्षक और उनके परिवार का कोई भी सदस्य मतदान नहीं करेगा। सात नवंबर से डाक और अन्य कार्यों का बहिष्कार शिक्षक करेंगे। 17 नवंबर से शिक्षक सभी सरकारी सूचनाओं का बहिष्कार कर प्रतिभाग नहीं करेंगे। विरोध स्वरूप 17 नवंबर को सभी प्रभारी प्रधानाचार्य अपना प्रभार भी त्याग देंगे।

जगजीतपुर चौकी के प्रभारी निलंबित

हरिद्वार। जगजीतपुर चौकी के कांस्टेबल के रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार होने के बाद एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने जगजीतपुर चौकी के प्रभारी रघुवीर सिंह रावत को निलंबित करते हुए मामले की जांच सीओ सिटी जूही मनराल को सौंप दी है। इधर, देर रात विजिलेंस की टीम आरोपी कांस्टेबल पप्पू कश्यप को अपने साथ लेकर देहरादून के लिए रवाना हो गई थी। विजिलेंस की टीम ने रविवार शाम जगजीतपुर चौकी पहुंचकर पांच हजार की रिश्वत ले रहे कांस्टेबल पप्पू कश्यप को रंगे हाथ पकड़ा था। जगजीतपुर निवासी राजू ने विजिलेंस को शिकायत की थी कि मारपीट के क्रॉस मुकदमे में जेल भेजने की धमकी देकर कांस्टेबल ने उससे और उसके भाई से पांच हजार की रकम वसूली थी।

संक्षिप्त खबरें

बेटे और दामाद ने की बुजुर्ग की हत्या, शव का चेहरा जलाया

रुडकी। पांच दिन पहले खेत में मिला शव देहरादून के एक बुजुर्ग का निकला। वह बेटी की ससुराल मखियाली कलां आए थे। उनका बड़ा बेटा भी यहीं पर था। संपत्ति से बेदखली की धमकी देने पर बेटे, दामाद, दामाद के भाई और पिता ने बुजुर्ग की हत्या कर शव का चेहरा जलाकर खेत में फेंक दिया था। बुजुर्ग के छोटे बेटे ने चारों लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। देहरादून के डालनवाला निवासी नंदकिशोर के दो बेटे और दो बेटी हैं। छोटी बेटी पूजा ने लक्सर के मखियाली कलां निवासी राहुल पुत्र विजयपाल से प्रेम विवाह किया था। नंदकिशोर 31 अक्तूबर को करवाचौथ का सामान लेकर बेटी के यहां आए थे। शाम को उनका बड़ा बेटा बिट्टू भी बहन के पास मखियाली आया था। रात में शराब पीकर उनमें विवाद हुआ।

आईआईटी के पूर्व छात्रों ने पचपन साल पुरानी यादें ताजा की

रुडकी। आईआईटी में 1968 बैच के स्नातकों के लिए एमराल्ड जुबली रीयूनियन के रूप में मनाया गया। इसमें पूर्व छात्रों को फिर से जुड़ने, यादें ताजा करने, अपनी सफलताओं और अनुभवों को साथियों के साथ साझा करने के लिए मंच प्रदान किया। पूर्व छात्रों और उनके प्रिय परिवार के सदस्यों सहित लगभग 120 सदस्य इस प्रतिष्ठित संस्थान में अपनी साझा यात्रा को याद करने और उत्सव मनाने के लिए एकत्र हुए। पुनर्मिलन के दौरान 1968 बैच के स्नातकों ने लगभग 60 लाख रुपये का दान देकर संस्था के प्रति अटूट समर्पण जताया। आईआईटी के कार्यवाहक निदेशक प्रो. यूपी सिंह ने कहा कि हमारे पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच का बंधन शक्ति का एक स्थायी स्रोत है। हम निरंतर समर्थन के लिए अपने सभी पूर्व छात्रों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। जो हमें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और दुनिया में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाता है।

बाजार में बड़े वाहनों पर लगेगा प्रतिबंध

रुडकी। थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने कस्बे के व्यापारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि बाजार में सभी जगह पटाखों की बिक्री नहीं होगी। दुकानों पर मिलावटी मिठाई पाए जाने की दशा में सख्त कार्रवाई करने की बात कही। बैठक में मौजूद व्यापारियों ने सुझाव देते हुए कहा कि त्योहारों पर बाजार में बैरिकेड लगाकर बड़े वाहनों पर प्रतिबंध लगाया जाए। साथ ही बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए।

पांच बहनों में इकलौता भाई था गौरव

रुडकी। किसान नेता स्व. चौधरी बलजोर सिंह के इकलौते पुत्र की मौत से इलाके का हर व्यक्ति स्तंभित है। पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी उसी के पास थी। पांच बहनों में अकेले भाई गौरव की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गौरव ने रविवार की देर शाम अपने घर पर ही गोली मारकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। गौरव के परिवार में उसकी मां और पत्नी के अलावा एक 14 वर्ष का पुत्र और 12 वर्ष की पुत्री है। ग्रामीण मोनू ने बताया कि गौरव बचपन से ही दिल खुश था। पिता की तरह उसे भी किसानों से जुड़े कार्यक्रमों में जाने का शौक था। ग्रामीणों को जैसे ही उसकी मृत्यु की जानकारी मिली तो गांव में शोक का माहौल छा गया।

युवक की हत्या के आरोप में वांछित चार और आरोपी गिरफ्तार

रुडकी। एक सप्ताह पहले लंढौरा में दो पक्षों के बीच संघर्ष में एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। लंढौरा क्षेत्र के रविदास बस्ती के रहने वाले पंकज कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि बस्ती में पानी निकासी को लेकर दो पक्षों में विवाद हो रहा था। बीच बचाव करने पर उनके घर की महिलाओं के साथ आरोपियों ने मारपीट की थी। घायल महिलाओं का उपचार कराकर परिजन वापस लौट रहे थे, तभी आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उसके भाई सूर्या की मौत हो गई।

ट्रैक की मरम्मत के चलते आज बंद रहेगा ढंडेरा फाटक

रुडकी। ढंडेरा से शहर और शहर से ढंडेरा की ओर जाने वाले लोगों को रेलवे फाटक बंद मिलेगा। वैकल्पिक रूट के लिए बुचड़ी फाटक का प्रयोग किया जा सकता है। फाटक बंद होने से करीब दो लाख की आबादी प्रभावित होगी। स्टेशन अधीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि रेलवे ट्रैक मरम्मत के लेकर ये फाटक मंगलवार सुबह आठ बजे से बुधवार सुबह आठ बजे तक बंद रहेगा। लक्सर, लंढौरा, मंगलौर और नगला इमरती आने-जाने वाली लाखों की आबादी ढंडेरा फाटक से होकर गुजरती है। उन्हें बुचड़ी फाटक से होकर जाना होगा। यह रूट लोगों के लिए काफी मुसीबत भरा रहेगा क्योंकि यह मार्ग कॉलोनी से होकर गुजरता है। यह रास्ता काफी संकरा है।

जिले में 118 केंद्रों पर होगी बोर्ड परीक्षाएं

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह गब्र्याल की अध्यक्षता में विद्यालयी शिक्षा परिषद द्वारा आगामी हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा के लिए केन्द्रों के निर्धारण के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी को मुख्य शिक्षाधिकारी केके गुप्ता ने परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण के सम्बन्ध में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में कुल 45232 बालक एवं बालिकायें पंजीकृत हुये हैं। जनपद में कुल 118 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। जिनमें से 101 मिश्रित तथा 17 एकल परीक्षा केन्द्र हैं। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों की संख्या-16 तथा अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों की संख्या-05 है। इस अवसर पर जिला शिक्षाधिकारी आशुतोष भण्डारी, प्रधानाचार्य अर्चना गुप्ता एवं अन्य सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

ऊर्जा निगम ने बहादराबाद क्षेत्र में छह घंटे की बिजली कटौती

हरिद्वार। ऊर्जा निगम ने सोमवार को बहादराबाद क्षेत्र में छह घंटे की बिजली कटौती की। बिजली कटौती से क्षेत्र की करीब 20 हजार की आबादी परेशान रही। 33/11 केवी उपसंस्थान बहादराबाद में नई 33 केवी विद्युत लाइन के निर्माण कार्यों के चलते उपसंस्थान का 11 केवी मॉडर्न फीडर छह घंटे बंद रहा। वहीं टेस्टिंग कार्यों के चलते 33/11 केवी उपसंस्थान पीएसी को बंद किया गया। बिजली कटौती सूचना ऊर्जा निगम ने पूर्व में उपलब्ध कराई थी। सोमवार को भी ऊर्जा निगम ने 33/11 केवी उपसंस्थान बहादराबाद में नई विद्युत लाइन के निर्माण का कार्य किया। इस कारण ऊर्जा निगम ने 11 केवी मॉडर्न फीडर को सुबह 11 बजे बंद कर दिया। कार्य पूरा होने के बाद शाम पांच फीडर से बिजली की सप्लाई चालू की गई। वहीं टेस्टिंग कार्यों के चलते 33/11 केवी उपसंस्थान पीएसी से ऊर्जा निगम ने क्षेत्र में सुबह 10 बजे बिजली की सप्लाई ठप कर दी। टेस्टिंग कर पूरा होने के बाद शाम चार बजे बिजली की सप्लाई शुरू की गई। बिजली सप्लाई बाधित होने के कारण उपसंस्थान पीएसी के शिवालिक नगर, पीएसी कैंपस और टिहरी विस्थापित आदि क्षेत्र में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। साथ ही उपसंस्थान बहादराबाद के मॉडर्न फीडर के इब्राहिमपुर, ड्रीम सिटी आदि क्षेत्रों में लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

हनुमान जी क्यों करनी पड़ी थी शादी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 नवंबर , शास्त्रों में हनुमान जी को भक्ति, साहस, शौर्य, शक्ति, चरित्र, और सदाचार का प्रतीक माना गया है। सभी गुणों सिद्धियों से संपन्न होने के कारण ही हनुमान जी को सकल गुण निधानं और ज्ञानिनाम अग्रगण्यम कहा जाता है। वैसे तो हनुमान जी को लोग ब्रह्मचारी के रूप में जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि हनुमान जी को भी शादी करनी पड़ी थीं? जी हां, दक्षिण भारत में एक स्थान ऐसा हैं, जहां आज भी हनुमान जी अपनी पत्नी सुवर्चला से शादी करनी पड़ी थी। आइए जानते हैं कि हनुमान जी क्यों करनी पड़ी थी शादी ?

इस मंदिर में पत्नी संग होती है हनुमानजी की पूजा

वैसे तो रामचरित मानस और रामायण में हनुमान जी के ब्रह्मचारी स्वरूप का वर्णन मिलता है, लेकिन परासर संहिता में इनके विवाह का भी जिक्र मिलता है। हालांकि कहा तो यह भी जाता है कि इस विवाह के बावजूद भी हनुमान जी ब्रह्मचारी ही रहे। लेकिन तेलंगाना के खम्मम जिले के येल्लाडू नामक स्थान पर हनुमाजी की पूजा उनकी पत्नी के साथ की जाती है। बता दें कि हनुमानजी का यह मंदिर राजधानी हैदराबाद से लगभग 220 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। कहा जाता है कि हनुमानजी और सुवर्चला का यह मंदिर बेहद प्रचीन है। इसके अलावा यह मंदिर इकलौता ऐसा मंदिर है जहां हनुमान जी अपनी पत्नी सुवर्चला से साथ प्रतिमा रूप में स्थापित हैं। यहां हनुमान जी और माता सुर्वचला के दर्शन हेतु लोग दूर-दूर से आते हैं। इतना ही नहीं, इस मंदिर में ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन हनुमानजी और माता सुवर्चला के विवाह का उत्सव भी मनाया जाता है।

क्यों करना पड़ा था हनुमानजी को विवाह

पराशर संहिता के अनुसार, हनुमान जी का विवाह विशेष परिस्थितियों में हुआ था। दरअसल इसके बारे में एक रोचक कथा का उल्लेख ग्रंथों में मिलता है। प्रतलित कथा के अनुसार, हनुमान जी के गुरु महाराज भगवान सूर्य थे। जिनके पास 9 विद्याएं यानी 9 निधियां मौजूद थीं। हनुमान जी भी अपने गुरु से सारी विद्याएं सीखना चाहते थे। हालांकि सूर्य देव ने अपने शिष्य हनुमान जी को 9 में से 5 विद्याओं का ज्ञान तो दे दिया, मगर बची हुई 4 विद्याएं प्रदान करने की जब बारी आई तो सूर्य देव संकट में फंस गए। दरअसल ये चार विद्याएं उन्हें ही प्रदान की जा सकती थीं, जो विवाहित हो। ऐसे में इस समस्या के समाधान के लिए सूर्य देव ने हनुमान जी विवाह करने का प्रस्ताव दिया।

विवाह के बाद भी रहे ब्रह्मचारी

हनुमान जी पहले तो सूर्य देव की इस सलाह को मानने के लिए तैयार नहीं हुए, लेकिन जब सूर्य देव ने उन्हें यह आश्वासन दिया कि कन्या तपस्या के बाद पुनः उनके तेज में विलीन हो जाएगी। जिसके बाद हनुमान जी विवाह के लिए राजी हो गए। फिर हनुमान जी का विवाह सूर्य देव की तेजस्वी और तपस्वी पुत्री सुवर्चला के साथ हुआ। हालांकि विवाह के बाद भी हनुमानजी ब्रह्मचारी ही रहे, क्योंकि उसके बाद सुवर्चला तपस्या में लीन हो गई।

पॉश्चर ही नहीं हिप शेप भी बिगाड़ती है खराब कुर्सी !

खराब कुर्सी स्पाइन में परेशानी की वजहस्पाइन और बैक एरिया के गैप पर ध्यान दें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 नवंबर , अगर आप वर्किंग हैं, तो आपको ऑफिस में घंटों तक चेयर पर बैठे रहना पड़ता होगा। लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठे रहना, वो भी गलत ऑफिस चेयर पर, आपकी स्पाइन हेल्थ के लिए बहुत नुकसानदायक है। बता दें कि व्यक्ति अपने घर के बिस्तर या सोफों की तुलना में ऑफिस चेयर पर सबसे ज्यादा समय बिताता है। इसलिए सही ऑफिस चेयर का चुनाव करना बहुत जरूरी है।

रिसर्चर्स के अनुसार, किसी भी कुर्सी की लाइफ 5 साल तक होती है। ऐसे में उनकी सलाह है कि जब भी कुर्सी बैठने में असहज लगने लगे,तो इसे तुरंत बदल लेना चाहिए, बजाय इसे ठीक कराने के। हालांकि हम अपने ऑफिस की कुर्सी नहीं खरीदते, लेकिन वहां रखी कुर्सियों में से एक बेहतर कुर्सी का चुनाव जरूर कर सकते हैं, ताकि लंबे समय तक कंधे या पीठ के दर्द से बचा जा सके। तो आइए जानते हैं कैसे करें अपने लिए सही ऑफिस चेयर का चुनाव।

गैप पर ध्यान दें

जब भी आप ऑफिस में अपने लिए कुर्सी चुन रहे हों, तो रीढ़ और कुर्सी के पिछले हिस्से के बीच होने वाले गैप पर ध्यान दें। इन दोनों के बीच गैप बिल्कुल नहीं होना चाहिए। ऐसा करना आपके स्पाइन के नेचुरल कर्वेचर को बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है।

सीट की चौड़ाई

लंबे समय तक बैठना है, तो ऐसी कुर्सी का चुनाव करें, जिसकी सीट चौड़ी हो। कहने का मतलब है कि इसमें आपका पूरा बैक पोर्शन ठीक से फिट हो सके। इसके अलावा आपकी जांघों और आर्मरेस्ट के बीच बहुत ज्यादा अंतर नहीं होना चाहिए। कोशिश करें कि सीट पूरी तरह से फ्लैट न हो, हल्की सी कर्व्ड शेप सीट आपके हिप को भी सही शेप में बनाए रखती है।

सीट पर ध्यान दें

कुर्सी की सीट भी आपकी हेल्थ को प्रभावित करती है। इसलिए सीट हमेशा ऐसी हो, जो न ज्यादा नरम हो और न ज्यादा सख्त। आपके बैक और हिप को फुल सपोर्ट करने वाली कुर्सी का ही चुनाव करना आपके लिए बेहतर है। अगर खरीदने से पहले आप कुर्सी की जांच कर रहे हैं,

तो देख लें कि बैठने पर यह दो से ज्यादा इंच नीचे न दबे।

कुर्सी की ऊंचाई

ऑफिस में हमेशा हाइट एडजेस्टेबल चेयर ही बेस्ट होती है। इस बात का ध्यान रखें कि कुर्सी पर बैठने के बाद आपके पैरों के तलवे जमीन पर मजबूती के साथ टिके रहें।

कुर्सी का फैब्रिक

स्पाइन हेल्थ को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुर्सी का फैब्रिक बहुत मायने रखता है। हालांकि, हम इसे इग्नोर करते हैं, लेकिन लगातार काम करते हुए आपका कंफर्ट लेवल फैब्रिक पर डिपेंड करता है। कुर्सी पर अगर प्लास्टिक या नायलॉन की सीट हो, तो इसे हटवा दें। खुदरा कपड़ा हो तो यह आपकी हेल्थ के लिए नुकसानदायक है। दरअसल, इस तरह का फैब्रिक शरीर में खुजली पैदा करता है। इसके अलावा काम भी प्रभावित होता है।

कोहनी को सहारा दे

ऑफिस के लिए ऐसे कुर्सी का चयन करना जरूरी है, जो कंप्यूटर पर काम करते वक्त आपकी कोहनी को सहारा दे। बेहतर होगा अगर आर्मरेस्ट पर मजबूत कुशनिंग होगी। इससे घंटों काम करने के बाद भी आपके आपको कोई दिक्कत नहीं आएगी और कंधों में भी थकान महसूस नहीं होगी।

शादी के लिए कुंवारी कन्याएं पूजती हैं राक्षस के पैर !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 नवंबर , बुंदेलखंड के जालौन की ऐसी संस्कृति के बारे में आपको बताएंगे जहां शरद पूर्णिमा पर अनोखी परंपरा है। यह परंपरा पूरे बुंदेलखंड में बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है । वैसे ये परंपरा आज की नहीं बल्कि बरसों पुरानी है। बता दें कि पौराणिक कथाओं के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन टेसू और झिंझिया का अनोखा विवाह होता है। जो परंपरा आज भी यहां जारी है मान्यताओं के अनुसार जब टेसू और झिंझिया का विवाह संपन्न हो जाता है तो उसके बाद से ही बुंदेलखंड क्षेत्र में हिंदू समाज में शादियों की शुरूआत होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार भामासुर (सुआटा) नाम का एक राक्षस हुआ करता था जो कुंवारी लड़कियों को बंधक बनाकर उनसे अपनी पूजा कराता था अपने पैर धुलवा कर उनसे जबरन शादी करता था। जिससे परेशान होकर कुंवारी कन्याओं ने भगवान कृष्ण की आराधना की जिससे प्रसन्न होकर उन्होने कुंवारी कन्याओं को वरदान दिया कि इस राक्षस का अंत टेसू नाम के एक वीर योद्धा द्वारा होगा। बाद में भामासुर राक्षस ने राजकुमारी झिंझिया सहित कई कुंवारी कन्याओं को बंधक बना लिया और उनसे शादी करने लगा।

लेकिन भगवान के वरदान स्वरूप वीर योद्धा टेसू ने भामासुर नामक राक्षस का अंत कर सभी को मुक्त कराया और राजकुमारी झिंझिया से विवाह किया। जब राक्षस का अंत हुआ तब शरद पूर्णिमा की रात थी। जब राक्षस भामासुर(सुआटा) मरने वाला था तभी उसने भगवान की आराधना की। उसकी आराधना पर भगवान ने उसे दर्शन दिये और वर मांगने को कहा तब राक्षस ने कुंवारी कन्याओं से पैर पूजने का वर मांगा। इस वर के बाद तब से शरद पूर्णिमा के दिन सभी कुंवारी कन्यायें सुआटा नामक राक्षस के पैर पूजती है और पैर पूजने के बाद ये सभी लड़कियां टेसू और झिंझियां की शादी कराकर टेसू जैसे वीर पति पाने की मनोकामना करती है।

टेसू और झिंझियां के विवाह शुरू होने का कार्यक्रम पूरे एक महीने चलता है जिसमे कुंवारी लड़कियां छोटे से मटके में कई छेद कर उसमे दीप जलाती और घर-घर जाकर धन मांगती हैं बाद में शरद पूर्णिमा के दिन लड़कियों के द्वारा एक दीवार पर सुआटा राक्षस की भी गोबर से प्रतिमा बनाती है। जालौन में इस त्यौहार को

परंपरागत तरीके से मनाया जाता है।

इस कार्यक्रम में गली मुहल्ले के सभी लोग बढ-चढ कर भाग लेते है। महिलाएं झिझिया की शादी पर मंगल गीत गाती हैं और झिझिया को सिर पर रखकर नाचती-गाती हैं। बाद में कुंवारी लड़कियों के द्वारा राक्षस की पूजा की जाती है। इसी प्रकार लड़को के द्वारा भी लकडी और कागज से टेसू का पुतला बनाया जाता है जिसे वह भी घर-घर ले जाकर चन्दा मांगते है और शरद पूर्णिमा के दिन बारात लेकर वह झिंझिया के घर पहुंचते है। जहां पर धूमधाम से टेसू झिंझिया का विवाह सम्पन्न कराया जाता है।

हेली सेवा के नाम पर नोएडा के यात्री से 1.17 लाख रुपये की ठगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 07 नवंबर : केदारनाथ यात्रा के लिए हेली टिकट बुक कराने के नाम पर एक व्यक्ति से साइबर ठगों ने 1.17 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की ओर से दी गई शिकायत पर साइबर थाने ने जांच की। इसके बाद नेहरू कॉलोनी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।ठगी मूल रूप से नोएडा सेक्टर 47 के डी-85 के रहने वाले होम सिंह यादव के साथ हुई है। वह अपने परिवार के छह सदस्यों के साथ केदारनाथ जाना चाहते थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह पिछले दिनों इंस्टाग्राम देख रहे थे। इस पर उन्हें हिमालयन हेली सर्विस नाम की

एक वेबसाइट देखी।वेबसाइट पर किसी महिपाल सिंह नाम का नंबर लिखा हुआ था। वह इंटरनेट के बारे में बहुत जानते नहीं हैं तो उन्होंने अपनी पुत्रवधु श्वेता सिंह यादव से बात करने के लिए कहा। श्वेता यादव ने महिपाल सिंह से बात की तो उसने कहा कि उनके खाते में पैसे भेज दिए जाएंगे तो वह सभी के टिकट बुक कर देगा।सभी सात टिकट का खर्च उसने 1.17 लाख रुपये बताया। यह रकम उन्होंने विभिन्न खातों से हिमालयन हेली सर्विसेस के खाते में जमा कर दी।

इसके बाद उन्हें टिकट की सूची व्हाट्सएप पर भेजी गई। लेकिन, पता चला कि ये सब टिकट फर्जी हैं। उन्होंने जांच कराई तो पता चला कि यह वेबसाइट भी फर्जी है। इस मामले में उन्होंने साइबर थाने को शिकायत की। एसओ नेहरू कॉलोनी लोकेंद्र सिंह बहुगुणा ने बताया कि उनकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जखोली मेले के अंतिम दिन लोक गायक सौरभ मैठाणी और हेमा करासी ने जमाया रंग

रुद्रप्रयाग। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण के साथ जखोली में चल रहा पांच दिवसीय कृषि औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले का समापन हो गया। लोक कलाकार सौरभ मैठाणी व हेमा नेगी करासी ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। मेले के अंतिम दिन पशुपालन मंत्री और जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने ब्लॉक प्रमुख प्रदीप थपलियाल के साथ नवनिर्मित क्षेत्र पंचायत सभागार और प्रमुख कार्यालय का लोकार्पण किया है। मेला समिति ने प्रतिभागियों और विभागीय स्टालों के प्रभारियों को पुरस्कृत किया। जखोली में चल रहे पांच दिवसीय मेले के अंतिम दिन के समारोह में बतौर मुख्य अतिथि काबीना मंत्री बहुगुणा ने कहा कि स्थानीय मेले पूरे उत्तराखंड के लिए गौरव की बात हैं। उन्होंने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गिनाया। इससे पूर्व मेला संयोजक व ब्लाक प्रमुख प्रदीप थपलियाल ने पांच दिवसीय कृषि मेले के सफल आयोजन के लिए अतिथियों व स्थानीय जनता के साथ विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों का धन्यवाद दिया।

संपादकीय

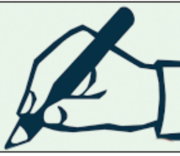

आइए क्रिप्टो-क्रिप्टो खेलें

ऐसा साबित होने लगा है क्रिप्टो के जाल में तड़प रही मछलियों के शिकारी सरकारी कार्यालयों के कर्मचारी-अधिकारी भी होने लगे हैं। अब तक हुई डेढ़ दर्जन गिरफ्तारियों के सुराग प्रदेश की छवि में इतना तो घर कर रहे हैं कि हिमाचल के दफ्तरी माहौल में अवांछित धनोपार्जन के अड्डे विकसित हो रहे हैं। कहीं पेपर लीक मामले ने यही सिद्ध किया था कि संबंधित दफ्तर नियुक्तियों के मजमून में हाथ रंगने का कौशल जानते हैं, तो कहीं सिपाहियों की भर्ती में वर्दी बेनकाब हुई है। बेशक अब चोर-सिपाही की दौड़ में कई काले कलूटे नजर आ रहे हैं, लेकिन क्रिप्टो-क्रिप्टो के खेल में 2500 करोड़ का अवैध निवेश बता रहा है कि प्रदेश के नागरिक जिस वसंत का पीछा कर रहे हैं, वहां कई सांपनाथ घूम रहे हैं। यह सारा निवेश सरकारी दफ्तर की पलकों के नीचे न भी हुआ हो, लेकिन गिरफ्तारियां बता रही हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वालों के पास अब या तो निवेश के लिए अतिरिक्त धन उपलब्ध है या उनके पास ऐसी किसी लूट में जौहर दिखाने का हुनर विकसित हो चुका है। जिन पांच हजार कर्मियों ने क्रिप्टो करंसी के नाम पर पैसा लगाया, वे कलाकार थे या जिस आइडिया ने इन्हें फुसलाया वह घुसपैठ कर दिया, लेकिन मानना पड़ेगा कि सरकारी नौकरी में धन जाया करने के स्रोत हैं या वेतन-भत्ते इस कद्र बढ़ रहे है कि काम के वक्त मुलाजिम नई रोटियां सेंकने के लिए आर्थिक लाभ के नित नए चूल्हे खोज रहे हैं। क्रिप्टो करंसी घोटाला दरअसल देवकी नंदन खत्री के उपन्यासों की तरह कई गोपनीय व गुप्त रहस्य खोल रहा है जहां सरकारी दफ्तरों में काम का एक पैटर्न दिखाई दे रहा है। इस घोटाले की जड़ों ने सरकारी दफ्तर की मिट्टी तक पकड़ बना रखी है, तो इसे अलग-अलग संदर्भों में समझना होगा। यहां सरकारों की प्राथमिकता में केवल सरकारी कर्मचारियों को पूजने की प्रथा से भी नैतिक सवाल पूछे जाने चाहिएं, क्योंकि राज्य की बजटीय व्यवस्था का आधे से ज्यादा हिस्सा सिर्फ अपने कर्मचारियों के वेतन-भत्तों तथा पेंशन भुगतान में ही जा रहा है। करीब पांच लाख सरकारी कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त लोगों के आर्थिक हितों की रखवाली करते राज्य ने ऐसी वित्तीय व्यवस्था तो बना ही दी, जहां लाभ की सारी किश्तियां एकतरफा सफर पर रहती हैं। दूसरी ओर निजी क्षेत्र के पच्चीस लाख लोग कारोबार या नौकरी करके यह अपेक्षा रखते हैं कि हिमाचल अपने संसाधनों से काम करने के माहौल को बेहतर बनाए। अगर ओल्ड पेंशन से सरकारी कर्मचारी के जीवन की सुरक्षा तय होती है, तो पच्चीस लाख रोजगार के अवसर जोत रहे निजी क्षेत्र के लोगों को सरकार का क्या संदेश है। जाहिर तौर पर क्रिप्टो करंसी का घोटाला हो या ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामले, इन सभी में सरकारी धन से सुरक्षित लोग अपना आवरण बढ़ाते पाए गए हैं। यह विडंबना है कि हिमाचल में एक ऐसा नागरिक समाज विकसित हो चुका है जो राज्य की तस्वीर में किसी तरह का शुल्क तो नहीं चुकाना चाहता, लेकिन सार्वजनिक खजाने के दम पर जिंदगी का हर कदम उठाना चाहता है। यही कदम उसे धन कमाने या निवेश की नई राहें खोजने को प्रेरित करते हैं। समाज की समृद्धि से राज्य की आर्थिक स्थिति को बल मिले, इसके ऊपर सरकारों को कुछ फैसले लेने चाहिएं अन्यथा मध्यमवर्गीय लोगों के लिए थोड़ा सा लालच भी घातक हो सकता है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करें : सौरभ

रुद्रप्रयाग। प्रदेश के पशुपालन एवं जनपद प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने मुख्यालय में जिला योजना एवं राज्य सेक्टर व केंद्र पोषित योजनाओं की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि कार्यों में गुणवत्ता एवं समय पर पूरा करने का विशेष ध्यान दिया जाए। विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में कैबिनेट मंत्री ने केदारनाथ धाम में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी की। साथ ही केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे घोड़े-खच्चरों के साथ किसी भी तरह से कोई पशु-क्रूरता न हो इस पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। कहा कि जनपद में संचालित विकास कार्यों के सफल संचालन के लिए अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर कार्य करें। जिला योजना की समीक्षा करते हुए सौरभ बहुगुणा ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले में संचालित सभी योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन हो, साथ ही जो धनराशि जिस योजना और कार्य के लिए स्वीकृत की गई वह उसी पर समय एवं गुणवत्ता के साथ खर्च की जाए।

कहा कि विकास योजनओं के जो भी प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं उनके बारे में जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से जानकारी होनी आवश्यक है ताकि सभी जनप्रतिनिधियों को यह जानकारी रहे कि उनके क्षेत्र में कौन सी योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। साथ ही योजनाओं की संचालन की स्थिति से भी अवगत रहें। प्रभारी मंत्री ने पशुपालन, मत्स्य व दुग्ध विकास विभागों की विशेष समीक्षा करते हुए जनपद में प्रस्तावित गोट वैली की प्रगति की स्थिति जानी। उन्होंने केदारनाथ पैदल मार्ग पर पशु क्रूरता रोकने के लिए चेकिंग अभियान चलाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष घोड़े-खच्चरों पर हो रही पशु क्रूरता में आई कमी आई है इसके लिए उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग की सराहना भी की। मत्स्य विभाग को जिले में उत्पादन की तुलना बिक्री बढाने के लिए सीडीओ को निर्देश दिए ताकि जिले में उत्पादित मछलियों की बिक्री के लिए होटल संचालक, रेलवे, सेना सहित अन्य बड़े संस्थानों से संपर्क साधा जा सके। नगर पालिका एवं पशुपालन विभाग को आवारा, बेसहारा एवं घायल पशुओं के उपचार व उचित रखरखाव के लिए आवश्यक गोशाला की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में विधायक केदारनाथ शैला रानी रावत ने विकास विभागों में कनिष्ठ अभियंताओं की तैनाती जल्द से जल्द करवाने की मांग की। कहा कि कनिष्ठ अभियंताओं की कमी के चलते विकास एवं निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

गौचर में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, दो घायल

चमोली। ऋषिकेश से सामान लेकर पीपलकोटी जा रहा ट्रक गौचर में डाट पुलिया के पास अनियंत्रित होकर गदेरे में जा गिरा। जिसमें दो लोग घायल हो गए। घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस चौकी प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह नगर के समीप बदरीनाथ हाईवे पर डॉट पुलिया के पास अनियंत्रित होकर नीचे गदेरे में गिरने की सूचना मिली। जिस पर चौकी गौचर में उपस्थित फोर्स मय एसडीआरएफ टीम घटना स्थल पर पहुंचे। बताया कि दुर्घटना में चंद्र मोहन पुत्र स्वर्गीय नरेंद्र सिंह निवासी गांव कोठियालसैंण और सुनील राणा पुत्र दलबीर सिंह राणा निवासी पाखी गरुड़ गंगा घायल हो गए।

आर्मी की 288 मीडियम रैजीमैंट की बाइक रैली पहुंची जोशीमठ और मलारी

चमोली। सेना की 288 मीडियम रेजीमेंट की बाइक रैली जोशीमठ होते हुए सीमांत गांव मलारी पहुंची। लोगों को बताया कि सेना हमेशा आमजन के साथ है। देश की सरहदें पूरी तरह से सुरक्षित हैं। दल ने मलारी में प्राथमिक उपचार शिविर का आयोजन कर लोगों को निशुल्क दवा बांटी। देश प्रथम व सदैव प्रथम, युवा वर्ग को सेना में भर्ती होने को प्रेरित करने का लक्ष्य लेकर 30 अक्तूबर से 8 नवंबर तक इस रैली का आयोजन किया जा रहा है। दल का नेतृतव कर रहे लेफ्टिनेंट कर्नल अजय कुमार ने कहा कि उत्तराखंड को सैन्य प्रदेश कहा जाता है।

डीएसीई योजना के आवेदन 15 नवम्बर तक

श्रीनगर गढ़वाल। केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से संचालित डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में मेरिट के माध्यम से लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए निशुल्क कोचिंग कार्यक्रम के आवेदन की तिथि 15 नवंबर तक बढ़ाई गई है। केंद्र के कार्यक्रम संयोजक प्रो. एमएम सेमवाल ने बताया कि अनुसूचित जाति और ओबीसी वर्ग के छात्र-छात्राएं यूपीएससी, यूकेपीएससी की निशुल्क कोचिंग के लिए 15 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। बताया कि योजना की अधिक जानकारी अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट में भी देख सकते हैं।

नैनबाग महाविद्यालय में निर्विरोध चुने गए सभी प्रत्याशी

नई टिहरी । राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में छात्र संघ चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया संपन्न हो गई। सभी पदों पर एक-एक ही प्रत्याशी के नामांकन होने से सभी पदों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो गए। महाविद्यालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. ब्रिश कुमार ने बताया कि, चुनाव के सभी पदों पर एक-एक नामांकन किया गया। जिसमें रवांई जौनपुर, जौनसार संगठन की ओर से अध्यक्ष पद के लिए आकाश चौहान, उपाध्यक्ष आरती रावत, सचिव सविता रावत तथा कोषाध्यक्ष सुहानी का नामांकन कराया। जबकि एबीवीपी संगठन की ओर से सह सचिव पद पर हरीश कुमार तथा विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पर आकाश अग्रवाल ने नामांकन कराया। दोनों संगठनों की आपसी सहमति से एक-एक प्रत्याशी का नामांकन पत्र दाखिल होने से सभी पदों पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित होने जा रहे हैं। बताया कि, सभी निर्विरोध प्रत्याशियों को मंगलवार (आज) शपथ दिलाई जाएगी। रवांई जौनपुर जौनसार के संस्थापक उपेंद्र पंवार ने कहा कि, संगठन का दसवां अध्यक्ष बना है। पार्टी अध्यक्ष व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष गोविंद दास ने खुशी जाहिर की इस मौके पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष महेश तोमर, नरेंद्र पवार अजीत रावत,संजय रावत, सुनील नेगी आदि मौजूद रहे।

बंग्लों की कांडी को नगर पंचायत से बाहर रखने की मांग

नई टिहरी । ग्राम बंग्लो की कांडी के दर्जनों ग्रामीणों ने सोमवार को डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर बंग्लों की कांडी को प्रस्तावित नगर पंचायत से बाहर रखने की मांग की। जबरन नगर पंचायत में शामिल करने पर आंदोलन की चेतावनी ग्रामीणों ने दी। सोमवार को डीएम को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो नगर पंचायत बनाने की घोषणा की है। उसमें बंग्लों की कांडी को किसी भी हाल में शामिल न करने की मांग ग्रामीणों की है, लेकिन उसके बाद भी कैबिनेट में इस बाबत प्रस्ताव लाया गया है। जिससे ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि बंग्लों की कांडी पंचायत राज व्यवस्था में खुश है। गांव में हर छोटे-बड़े फैसले को आपस में बैठकर निपटा लिया जाता है। जबकि नगर पंचायत में शामिल होने के बाद ग्रामीणों की समस्याएं गौंण हो जायेंगी। जिससे गांव का विकास उस तरह से नहीं हो पायेगा। जिस तरह से ग्रामीण चाहते हैं। इसलिए नगर पंचायत में बंग्लों की कांडी को किसी भी हाल में शामिल न किया जाय। यदि ऐसा जबरन किया जाता है, तो ग्रामीण इसका विरोध कैंपटीफाल में करेंगे। आगामी 20 नवंबर को इसके विरोध के लिए ग्रामीण कैंपटी में एकत्र होंगे। यदि फिर में ग्रामीणों की यह मांग न मानी तो आंदोलन को तेज किया जायेगा। इस मौके पर गांव के प्रधान सुंदर सिंह सहित राजेंद्र प्रसाद नौटियाल, श्याम सुंदर मैथिल, करण सिंह, सोबन सिंह रावत, दिनेश सेमवाल, धर्मेंद्र पंवार, भरत सिंह रावत, मंजित रावत, प्रदीप नौटियाल, अशोक नौटियाल, अर्जुन सिंह, कैलाश रावत, नरेंद्र सेमवाल, रमेश रावत, सुमन, विजय सिंह, गौतम, आशीष, रोहित, विपिन, अंकित सहित दर्जनों मौजूद रहे।

देवप्रयाग में छात्र संघ का निर्विरोध निर्वाचन तय

नई टिहरी । राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग छात्रसंघ चुनाव में सभी पदों पर अभाविप के प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन होना तय है। महाविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष सहित अन्य सभी पदों पर अभाविप प्रत्याशियों ने ही नामांकन करवाया है। निर्वाचन अधिकारी डॉ. एमएन नौडियाल ने बताया कि जांच में सभी प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाए जाने के बाद किसी ने नाम वापस भी नहीं लिया, ऐसे में इस बार महाविद्यालय में निर्विरोध छात्र संघ गठित होना तय है। जिसमें अध्यक्ष पद पर गौरव सिंह, उपाध्यक्ष वंदना रावत, सचिव पद पर अक्षरा कोटियाल, कोषाध्यक्ष शिवानी सजवाण, सह सचिव पर अमीषा चौहान और विवि प्रतिनिधि अरविंद रावत द्वारा ही नामांकन करवाया गया है। अभाविप के प्रदेश सदस्य व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष दीपक रावत, नवीन कुमार सहित अन्य छात्रों ने निर्विरोध छात्रसंघ गठन पर खुशी जताई है।

अगस्त्यमुनि छात्र संघ चुनाव के लिए तैयारी पूरी

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि महाविद्यालय में मंगलवार को होने वाले छात्र संघ के चुनाव में 2304 छात्र छात्राएं अपना प्रतिनिधि चुनेंगे। कुल 6 पदों पर होने वाले चुनाव को लेकर कॉलेज प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। पोलिंग बूथों का निर्माण कर दिया गया है जबकि चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्राचार्य ने पुलिस, प्रशासन, छात्र संघ प्रभारी के साथ सभी प्रत्याशियों की बैठक ली। जिसमें सभी प्रत्याशियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। रविवार को हुए विवाद के बाद कॉलेज प्रशासन हर कदम फूंक फूंक कर रख रहा है। किसी भी विवाद की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस से सहयोग मांगा गया है।

विरासत में त्रिपुरारि शरण द्वारा लिखित 'माधोपुर का घर' किताब पर एक चर्चा दून लाइब्रेरी में आयोजित की गई

विरासत में उत्तराखंड के लोकप्रिय एवं सांस्कृतिक धरोहर रम्माण की प्रस्तुति विश्व सांस्कृतिक धरोहर समूह द्वारा की गई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- विरासत में गोवा के इंद्रेश्वर युवा क्लब ने गोफ नामक पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत किया
- विरासत में नम्रता शाह एवं समूह द्वारा कथक एवं अर्धशास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया
- विरासत में आरती अंकलिकर द्वारा हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया गया

देहरादून- 06 नवंबर 2023- विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2023 के 11वें दिन के कार्यक्रम की शुरूआत त्रिपुरारि शरण द्वारा लिखित 'माधोपुर का घर' किताब पर एक चर्चा से की जो दून लाइब्रेरी देहरादून में रखी गई थी। इस कार्यक्रम में त्रिपुरारी शरण जी ने अपनी लिखी उपन्यास पर बात की। त्रिपुरारि शरण द्वारा लिखित 'माधोपुर का घर' एक अत्यंत कल्पित व्यक्तिगत उपन्यास और बिहार के एक परिवार के उतार-चढ़ाव की गहरी मार्मिक कहानी है। इसके अलावा, यह एक ऐसे व्यक्ति के विचार के बारे में उपन्यास है जो अपने जीवन की विशिष्टताओं से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। और अंततः, यह एक ऐसा उपन्यास है जो हमें भारतीय ग्रामीण जीवन की नियति और विडंबनाओं की शुद्ध, शुद्ध विचित्रताओं से आश्चर्यचकित करता है।

त्रिपुरारि शरण का जन्म सन् 1961 में हुआ। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से स्नातक तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर किया। छात्र जीवन के दौरान 'दिनमान' के लिए फिल्म समीक्षाएँ लिखीं। कई पत्रिकाओं में कविताएँ प्रकाशित। लम्बे प्रशासनिक जीवन के दौरान राज्य व केन्द्र सरकार के कई महत्त्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर रहे। भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे के निदेशक और दूरदर्शन के महानिदेशक रहे। पुणे के कार्यकाल के दौरान अपने छात्रों के साथ दो अलग-अलग फीचर फिल्मों का पटकथा लेखन और निर्माण किया एवं मुख्य सचिव, बिहार के पद से सेवानिवृत्त हुए।

आज के सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ रीच विरासत के महासचिव श्री आर.के.सिंह एवं अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति में उत्तराखंड के लोकप्रिय एवं सांस्कृतिक धरोहर रम्माण की प्रस्तुति की गई जिसमें जोशीमठ, चमोली की घाटियों में, सत्ताईस जीवंत और भावुक व्यक्तियों का एक समूह विश्व सांस्कृतिक धरोहर के गौरवशाली बैनर के नीचे एकत्र होकर रम्माण प्रस्तुत किया। इन कलाकारो में डॉ. खुशाल भंडारी, जगदीश चौहान, राजेंद्र सिंह भंडारी, दिनेश सिंह नेगी, लक्ष्मी प्रसाद, महादीप भंडारी, हरीश नेगी, अजीत कुँवर, भरत सिंह रावत, दिलवर सिंह चौहान, खुशाल सिंह नेगी, दर्शन सिंह चौहान, देवेन्द्र सिंह कुँवर शामिल हैं। ,राजेंद्र सिंह रावत, जतिन पवार, अनिरुद्ध पवार, पीयूष पवार, अनुराग पवार, चंदिनी पवार, आस्था पवार, मुस्कान पवार, मुकेश कुवान, सृष्टि कुँवर, दिव्या नेगी, श्री हुकुम दास, गरीब दास और ज्योतिष घिड्याल। ये प्रतिभाशाली आत्माएं द्वारा प्रस्तुति से विरासत का आगंन ढोल और दमाऊं की थाप से गूंजती रही और दर्शकों ने भी खुभ इस अनोखें प्रस्तुति का आन्नद लिया। वैसे यह रम्माण बैसाखी के शुभ दिन से शुरू होती है, यह केवल एक आयोजन नहीं है बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि का उत्सव है, जो एक पखवाड़े तक जारी रहता है। सभी कलाकारों ने मुखौटों के साथ नृत्य भी किया हैं, ये मुखौटे भोजपत्र नामक बहुत शुद्ध लकड़ी से बने हुई थी। इस सभा के भीतर, उनका उद्देश्य परंपरा और इतिहास को दिखाना है, जिसमें महाभारत गरूदेवा नृत्य, कृष्ण लीला राधिका के साथ और मंत्रमुग्ध कर देने वाले मोर मरिन का नृत्य की झलक पेश करना है। एक ऐसा समूह जो हर लय, हर कदम और अपने पास मौजूद हर मुखौटे के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को प्रतिध्वनित करने का वादा करता है

रम्माण भारत में गढ़वाल क्षेत्र का एक धार्मिक त्योहार और अनुष्ठान थिएटर है। अपनी तत्काल सीमाओं से परे रम्माण छोटा है और समय के साथ इसके विलुप्त होने का खतरा है। 2009 में, यूनेस्को ने रम्माण को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की अपनी प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। रम्माण गाँव के लिए अद्वितीय है और इसे हिमालय क्षेत्र में कहीं और न तो दोहराया जाता है और न ही प्रदर्शित किया जाता है। यह भारत के उत्तराखंड में चमोली जिले के पेनखंडा घाटी के सलूर डुंगरा गांव में गढ़वाली लोगों का त्योहार है। यह त्यौहार ग्राम देवता को भेंट के रूप में आयोजित किया जाता है, सलूर डूंगरा के संरक्षक देवता भूमिचेत्रपाल हैं, जिन्हें भूमियाल देवता के नाम से भी जाना जाता है। यह त्यौहार हर साल बैसाखी के बाद उनके सम्मान में आयोजित किया जाता है, जो एक फसल त्यौहार है जो नए साल की शुरुआत का भी प्रतीक है। रम्माण त्यौहार बैसाखी के नौवें या ग्यारहवें दिन आता है। ग्रामीण देवता को हरियाली (अंकुरित जौ के पौधे) चढ़ाते हैं, जो बदले में सभी को समृद्धि का वादा करते हैं। यह उत्सव दस दिनों तक चलता है, इस दौरान भूमियाल देवता के मंदिर के प्रांगण में राम का स्थानीय महाकाव्य गाया जाता है और जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते नकाबपोश नर्तक नृत्य करते हैं।

रम्माण की शुरुआत गणेश के आह्वान से होती है, जिसके बाद गणेश और पार्वती का नृत्य होता है। इसके बाद सूर्य देव का नृत्य होता है, जो ब्रह्मा और गणेश के जन्म के सृजन-मिथक का एक अधिनियम है। इन प्रारंभिक प्रदर्शनों के बाद, ध्यान स्थानीय रामकथा के मंचन पर केंद्रित हो जाता है। राम के जीवन के प्रसंग, उनकी जनकपुर यात्रा से शुरू होकर और वनवास से लौटने के बाद उनके राज्याभिषेक के साथ समाप्त होकर, कुल 324 ताल और चरणों में गाए जाते हैं। इन प्रदर्शनों का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू जागर गायन है, जो स्थानीय किंवदंतियों की संगीतमय प्रस्तुति है। सलूर-डुंगरा के ग्रामीण रम्माण उत्सव के उत्तराधिकारी, आयोजक और वित्तपोषक हैं। सभी परिवार, जाति और समुदाय से परे रम्माण पवित्र और सामाजिक, अनुष्ठानिक को उल्लास के साथ जोड़ता है और मौखिक, साहित्यिक, दृश्य और पारंपरिक शिल्प रूपों के माध्यम से सलूर डूंगरा ग्रामीणों के इतिहास, विश्वास, जीवन शैली, भय और आशाओं को व्यक्त करता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की दुसरी प्रस्तुति में गोवा के इंद्रेश्वर युवा क्लब ने गोफ नामक पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत किया। गोफ़ शिग्मो उत्सव में कैनाकोना, संगुएम और क्वेपेम तालुका में किसान समुदाय द्वारा वार्षिक रूप से प्रस्तुत किया जाने वाला नृत्य है, जो दक्षिण गोवा में सबसे लोकप्रिय नृत्य है जिसमें रंगीन कपड़े की पट्टियाँ छत के एक बिंदु से लटकती हैं और नर्तक एक-एक पट्टियाँ पकड़कर नृत्य करते हैं। इस तरह कि एक खूबसूरत चोटी बन जाए. गोफ़ नृत्य जीवंत सांस्कृतिक पहलुओं का एक आकर्षक संगम है। पट्टिका की बुनाई - गोफ - कई राजवंशों द्वारा छोड़े गए छापों के शांत लेकिन सचेत आत्मसात का प्रतिनिधित्व करती है, जिन्होंने पिछली शताब्दियों में गोवा पर शासन किया था। यह फाल्गुन माह में शिग्मो महोत्सव के दौरान आयोजित किया जाता है। गाए गए गीत भगवान कृष्ण को समर्पित हैं। यह नृत्य पुरुषों या महिलाओं के समूह द्वारा किया जा सकता है। यह डोरियों वाला एक लोक नृत्य है, जो भरपूर फसल के बाद गोवा के किसानों की खुशी को प्रकट करता है। प्रत्येक नर्तक 'मांड' के केंद्र बिंदु - प्रदर्शन स्थल - पर एक रंगीन रस्सी लटकाता है और दूसरों के साथ जटिल रूप से नृत्य करना शुरू कर देता है, जिससे एक सुंदर, रंगीन, जटिल चोटी बन जाती है और नर्तक नृत्य के पैटर्न को उलट देते हैं और चोटी बन जाती है। गोफ नृत्य की 4 अलग-अलग चोटियाँ हैं। घूमत, सिमेल, शांसी और अन्य मधुर वाद्ययंत्र नृत्य के साथ बजते हैं। इस नृत्य में पवन, धीरज, तुषार, विश्वजीत, अभिजीत, कैलाश, दीपक, नितेश, रुतिकेश, स्वप्नेश, चंद्रेश्वर, शुशांत, विश्वनाथ, अजय, भालेश और प्रीतेश शामिल थे। उनके साथ घूमत, शमेल और कसाल जैसे विभिन्न पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र थे, जिन्हें रुतिकेश, चंद्रेश, अभिजीत, अजय ने बजाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की तीसरी प्रस्तुति में नम्रता शाह एवं समूह द्वारा कथक एवं अर्धशास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस समूह में 14 सदस्य हैं जिनमें जयति, पिथड़िया, स्तुति शाह, तराना भट्ट, सिया मेहता, आयशा मेहता, नव्या चौहान, हेनवी पटेल, दीया गज्जर, पृथा जोशी, कलश प्रजापति, वैली पटेल, काम्या कछिया और उनके गुरु जी नम्रता अजय शाह जी भी शामिल हैं। उनकी पहली प्रस्तुति गणेश स्तुति थी जिसके बाद संस्कृत में गुजरात के गौरव का चित्रण किया गया। बाद में उन्होंने गोपी गीत प्रस्तुत किया जो पंडित श्री सुंदर लाल गंजानी जी द्वारा लिखा गया था। जो नम्रता शाह जी के गुरु भी हैं, इसके बाद उन्होंने होरी गीत प्रस्तुत किया और नर्मदा अष्टकम प्रस्तुत कर समापन किया । उनका नृत्य जयपुर घराने के कथक के साथ अर्ध शास्त्रीय नृत्य चरणों का मिश्रण था। उन्होंने पहले भी विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों के सामने प्रदर्शन किया है जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी, जापान के पूर्व राष्ट्रपति शिंजो आबे, उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल, चीन के प्रतिनिधिमंडल और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यपाल शामिल हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम की चौथी प्रस्तुति में आरती अंकलिकर द्वारा हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने राग बागेश्री से शुरुआत करते हुए बंदिश "कोन गत भयी मोरी" से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया फिर उन्होंने तीन ताल में प्रस्तुत लयबद्ध रचना "देर ना देर लागो प्रीतम प्यारे" गाया। उसके बाद उन्होंने और अधिक गहराई और भावनात्मक समृद्धि जोड़ते हुए दादरा गाया और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आरती अंकलिकर जी ने अंतिम राग प्रस्तुत किया वह राजसी राग भैरवी था, जिसमें उन्होंने टप्पा और ऊर्जावान तराना के साथ अपने प्रदर्शन का समापन किया। कहा जाता हैं कि सफल लोग बनाये जाते हैं, पैदा नहीं होते; उनकी कला को विकसित किया जाता है, ये रातोरात नहीं निखरते। आरती अंकलिकर ऐसी ही एक प्रतिभा हैं, जो अपनी गायकी के बल पर आज यहां पहुंची हैं, ये एक प्रतिष्ठित हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका हैं। उन्होंने आगरा-ग्वालियर घराने के पं. वसंतराव कुलकर्णी जी के नेतृत्व में अपनी संगीत यात्रा शुरू की। इसके बाद उन्हें जयपुर अतरौली घराने की सर्वोच्च उस्तादों में से एक, गान सरस्वती किशोरी अमोनकर से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उसके बाद, उन्होंने पं. दिनकर कैकिनी के साथ अपना प्रशिक्षण जारी रखा। वह एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में अपने विकास का श्रेय अपने गुरुओं को देती हैं, और उनकी अपनी शैली, जो दो घरानों का मिश्रण है, अपने स्वर भाव, लय और लयकारी में विशिष्ट है, जो कई तान पैटर्न के साथ जुड़ी हुई है, जो उनके प्रदर्शन को जीवंत बनाती है। वे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध गायिका हैं, जिनका करियर ग्राफ पैंतीस साल से भी अधिक का है। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित समारोहों जैसे पुणे में सवाई गंधर्व महोत्सव, ग्वालियर में तानसेन समारोह, कोलकाता में डोवर लेन संगीत सम्मेलन, दिल्ली में शंकरलाल महोत्सव, चेन्नई में मद्रास संगीत अकादमी का महोत्सव और नागपुर में कालिदास महोत्सव में प्रदर्शन किया है। वह संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और मध्य पूर्वी देशों में अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर भी अक्सर जाती रहती हैं।

उन्होंने टोरंटो के राग-माला म्यूजिक सोसाइटी के लिए 2019 में टोरंटो, कनाडा में आगा खान संग्रहालय सहित दुनिया भर में प्रतिष्ठित स्थानों पर प्रदर्शन किया है। आरती जी ने मराठी, कोंकणी और हिंदी फिल्म उद्योग में बड़े पैमाने पर गाया है। वह आगरा के साथ-साथ ग्वालियर और जयपुर घराना शैली में गायन के लिए जानी जाती हैं। उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। अंकलीकर को वर्ष 2006 में एक शास्त्रीय गायक के जीवन पर आधारित कोंकणी सिनेमा, "अंतर्नाद "के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। आरती जी के नाम कई ऑडियो कैसेट और सीडी रिकॉर्डिंग हैं। वह श्याम बेनेगल की फिल्म "सरदारी बेगम" की मुख्य पार्श्व गायिका थीं। वह अपने एल्बम तेजोमय नादब्रह्म, राग-रंग और फिल्मों अंतरनाद, दे धक्का, सावली और सरदारी बेगम, एक हजाराची नोट के लिए जानी जाती हैं। उन्हें मराठी फिल्म दे धक्का के लिए महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार मिला। बाद में, 2013 में, उन्हें मराठी फिल्म संहिता के लिए दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तबला वादक शुभ जी का जन्म एक संगीतकार घराने में हुआ था। वह तबला वादक श्री किशन महाराज के पोते हैं। उनके पिता श्री विजय शंकर एक प्रसिद्ध कथक नर्तक हैं, शुभ को संगीत उनके दोनों परिवारों से मिला है। बहुत छोटी उम्र से ही शुभ को अपने नाना पंडित किशन महाराज के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित किया गया था। वह श्री कंठे महाराज.की पारंपरिक पारिवारिक श्रृंखला में शामिल हो गए। सन 2000 में, 12 साल की उम्र में, शुभ ने एक उभरते हुए तबला वादक के रूप में अपना पहला तबला एकल प्रदर्शन दिया और बाद में उन्होंने प्रदर्शन के लिए पूरे भारत का दौरा भी किया। इसी के साथ उन्हें पद्म विभूषण पंडित के साथ जाने का अवसर भी मिला। शिव कुमार शर्मा और उस्ताद अमजद अली खान. उन्होंने सप्तक (अहमदाबाद), संकट मोचन महोत्सव (वाराणसी), गंगा महोत्सव (वाराणसी), बाबा हरिबल्लभ संगीत महासभा (जालंधर), स्पिक मैके (कोलकाता), और भातखंडे संगीत महाविद्यालय (लखनऊ) जैसे कई प्रतिष्ठित मंचों पर प्रदर्शन किया है। 27 अक्टूबर से 10 नवंबर 2023 तक चलने वाला यह फेस्टिवल लोगों के लिए एक ऐसा मंच है जहां वे शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के जाने-माने उस्तादों द्वारा कला, संस्कृति और संगीत का बेहद करीब से अनुभव कर सकते हैं।

इस फेस्टिवल में परफॉर्म करने के लिये नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस फेस्टिवल में एक क्राफ्ट्स विलेज, क्विज़ीन स्टॉल्स, एक आर्ट फेयर, फोक म्यूजिक, बॉलीवुड-स्टाइल परफॉर्मेंसेस, हेरिटेज वॉक्स, आदि होंगे। यह फेस्टिवल देश भर के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और उसके महत्व के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने का मौका देता है। फेस्टिवल का हर पहलू, जैसे कि आर्ट एक्जिबिशन, म्यूजिकल्स, फूड और हेरिटेज वॉक भारतीय धरोहर से जुड़े पारंपरिक मूल्यों को दर्शाता है। रीच की स्थापना 1995 में देहरादून में हुई थी, तबसे रीच देहरादून में विरासत महोत्सव का आयोजन करते आ रहा है।

उदेश बस यही है कि भारत की कला, संस्कृति और विरासत के मूल्यों को बचा के रखा जाए और इन सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। विरासत महोत्सव कई ग्रामीण कलाओं को पुनर्जीवित करने में सहायक रहा है जो दर्शकों के कमी के कारण विलुप्त होने के कगार पर था। विरासत हमारे गांव की परंपरा, संगीत, नृत्य, शिल्प, पेंटिंग, मूर्तिकला, रंगमंच, कहानी सुनाना, पारंपरिक व्यंजन, आदि को सहेजने एवं आधुनिक जमाने के चलन में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इन्हीं वजह से हमारी शास्त्रीय और समकालीन कलाओं को पुणः पहचाना जाने लगा है। विरासत 2023 आपको मंत्रमुग्ध करने और एक अविस्मरणीय संगीत और सांस्कृतिक यात्रा पर फिर से ले जाने का वादा करता है